CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-87
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार, 02 जुलाई 2024

आज का विचार

हम अपनी आशा से मनुष्य के ज्ञान का न्याय करते हैं

सिंगल कॉलम

एनआईए ने जेल में बंद कश्मीर के सांसद को दी शपथ लेने की मंजूरी

नई दिल्ली। आतंकवाद निरोधी एजेंसी एनआईए ने जेल में बंद कश्मीर के नेता इंजीनियर अब्दुल राशिद शेख को सांसद के तौर पर शपथ लेने की अनुमति दे दी है। अब इस मामले में दिल्ली की एक अदालत के अंतिम फैसले का इंतजार है, जो कल उनके शपथ ग्रहण की शर्तों पर फैसला सुनाएगी। राशिद, जिन्हें इंजीनियर राशिद के नाम से जाना जाता है, ने हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर बारामूला सीट जीती थी। राशिद 2019 से ही तिहाड़ जेल में बंद हैं। एनआईए ने उन पर टेरर फंडिंग मामले में आरोप लगाया था। वे 18वीं लोकसभा में बाकी सदस्यों के साथ शपथ नहीं ले पाए थे। अपनी नजरबंदी के बावजूद राशिद ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को 2 लाख से अधिक मतों के अंतर से हराकर जीत हासिल की थी। शनिवार को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश किरण गुप्ता ने एनआईए को राशिद की अंतरिम जमानत की अर्जी पर जवाब देने का आदेश दिया ताकि उनका शपथ ग्रहण आसान हो सके। अदालत ने एनआईए को 1 जुलाई तक अपना जवाब जमा करने का निर्देश दिया है।

नए कानून बीएनएस के तहत देश में पहला केस ग्वालियर में हुआ दर्ज

ग्वालियर। नए कानून के तहत देश भर में पहला मामला ग्वालियर के हजीरा थाने में दर्ज किया गया। यह जानकारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दी है। भारतीय न्याय संहिता लागू होते ही ग्वालियर के हजीरा थाने में रात 12.24 बजे जिले की पहली एफआईआर बाइक चोरी की दर्ज हुई। हालांकि अमित शाह ने नए कानून के तहत एफआईआर दर्ज करने का समय रात 12.10 का बताया है। सीएसपी महाराजपुरा नागेंद्र सिंह सिकरवार ने बताया कि मूलरूप से भिंड के गोरमी स्थित ग्राम कल्याणपुरा में रहने वाले सौरभ नरवरिया ने मामले में केस दर्ज कराया है।

मानहानि के मामले में मेधा पाटकर को पांच महीने कारावास की सजा

नई दिल्ली। दिल्ली के साकेत कोर्ट ने नर्मदा बचाओ आंदोलन कार्यकर्ता मेधा पाटकर को पांच महीने की साधारण कारावास की सजा सुनाई है। यहा सजा उन्हें तत्कालीन केवीआईसी अध्यक्ष वीके सक्सेना (अब दिल्ली के उपराज्यपाल) द्वारा दायर मानहानि मामले में सुनाई गई है। कोर्ट ने मेधा पाटकर को वीके सक्सेना को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया है। साकेत कोर्ट ने यह भी कहा कि मेधा पाटकर की उम्र और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को देखते हुए उन्हें अधिक सजा नहीं दी जा रही है। न्यायाधीश ने कहा कि सजा पर 30 दिन तक रोक रहेगी। वहीं, मेधा पाटकर का कहना है, सच्चाई को कभी हराया नहीं जा सकता...हमने किसी को बदनाम करने की कोशिश नहीं की है। हम सिर्फ अपना काम करते हैं...हम कोर्ट के फैसले को चुनौती देंगे।

हत्या के लिए मंगाए गए थे पाकिस्तानी हथियार, 5 के खिलाफ चार्जशीट

मुम्बई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के घर हुई फायरिंग की जांच में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। वहीं पुलिस का कहना है कि लॉरेंस गैंग ने सलमान को मारने के लिए 25 लाख रुपए की सुपारी दी थी और इसके लिए आरोपी पाकिस्तान से एके-47 राइफल, एके-92 राइफल और एम-16 राइफल खरीदने तैयारी कर रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने जिगाना पिस्तौल भी मंगवाने की कोशिश की। जिससे पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या की गई थी। हलांकि, पुलिस ने अब इस मामले में गिरफ्तार किए गए लॉरेंस गैंग के 5 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। बता दें, 14 अप्रैल को सलमान के घर गैलेक्सी अपार्टमेंट पर फायरिंग हुई थी और 24 अप्रैल को मुंबई पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जिसके बाद इस मामले में पांचवें आरोपी को पुलिस ने 3 जून को हरियाणा से पकड़ा था। पुलिस ने इस मामले में लॉरेंस, उसके भाई अनमोल, गोल्डी बराड़ समेत कुल 18 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की है। वहीं अब नवी मुंबई पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के पांच गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ 350 पेज की चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में ये सभी खुलासे किए गए हैं। आपको बता दें, पुलिस के अनुसार जानकारी सामने आई है कि सलमान की हत्या के लिए आरोपी पाकिस्तान से मॉडर्न हथियार एके 47, एके 92 और एम 16 और तुर्की निर्मित जिगाना हथियार भी खरीदने की तैयारी में थे और इसी हथियारों से पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या की गई थी। इन हथियारों के इस्तेमाल से आरोपी भाई जान सलमान को मारने की फिराक में थे। मीडियो रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने चार्जशीट में बताया कि सलमान को मारने की साजिश अगस्त 2023 से अप्रैल 2024 के बीच रची गई थी। पुलिस ने आगे कहा कि सभी शूटर गोल्डी बराड़ और अनमोल बिश्नोई के ऑर्डर का इंतजार कर रहे थे कि जैसे ही उनको आदेश मिलेगा। वो पाकिस्तानी हथियारों से सलमान खान पर हमला कर देंगे।

अखिलेश यादव ने लोकसभा में कहा

'होइहि सोइ जो राम रचि राखा'

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए लोकसभा में केंद्र सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश ने कहा कि हम अग्निवीर योजना को कभी स्वीकार नहीं कर सकते हैं। जब भी हम सत्ता में आएंगे, इसे हटा दिया जाएगा।अखिलेश ने परीक्षा में धांधली, जाति आधारित जनगणना, आरक्षण जैसे मुद्दों के साथ ही वाराणसी समेत यूपी के अन्य शहरों में विकास के दावों पर अपनी बात रखी। अयोध्या में समाजवादी पार्टी की जीत पर अखिलेश ने कहा, होइहि सोइ जो राम रचि राखा। जो लोग राम को लाने की बात कर रहे थे, उन्हें दूसरों की बैसाखी से सरकार चलाना पड़ी रही है। यह देश का सबसे बड़ा संदेश है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के हिंदुओं पर दिए गए बयान पर बवाल जारी है। अब संत समाज ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है और कांग्रेस नेता से माफी की मांग की है। इस बीच, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान आज भी इस मुद्दे पर हंगामे के आसार हैं।

श्योपुर के 7 श्रद्धालुओं की मौत से मातम

राजस्थान में कैला देवी मंदिर से लौटते समय ट्रक ने मारी टक्कर, 9 लोगों ने गंवाई जान

राजस्थान के करौली में बोलेरो और ट्रक की टक्कर से 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि, 4 लोग घायल हैं। मृतकों 2 बच्चे और 6 महिलाएं शामिल हैं। हादसा सोमवार (1 जुलाई) शाम 5 बजे करौली-मंडरायल मार्ग पर डूंडापुरा मोड़ के पास हुआ है।

राजस्थान सड़क हादसे में जान गंवाने वाले 9 में 7 लोग श्योपुर जिले के भतकछा और टर्राखुर्द गांव के रहने वाले थे। सोवरन रावत ने बताया कि बहन के परिजनों ने जान गंवाई थी। कुछ दिन पहले ही उन्होंने सेकेंड हैंड जीप खरीदी थी, जिसकी पूजा के लिए रिश्तेदारों संग कैला देवी गए थे। वहां से दर्शन पूजा कर करौली के खिरकन गांव लौट रहे थे, तभी हादसा हो गया। पुलिस अधीक्षक ब्रजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि हादसा करौली-मंडरायल मार्ग स्थित डूंडापुरा मोड़ के पास हुआ है। ट्रक की टक्कर से जीप का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। घायलों की चीख पुकार सुन आसपास के लोग दौड़े और पुलिस सूचना देकर एम्बुलेंस बुलवाई। जीप सवार सभी लोग कैला देवी के दर्शन करके लौट रहे थे। पुलिस ने सभी घायलों को करौली जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां 9 लोगों को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। 4 का उपचार शुरू किया गया। इनमें से एक महिला और एक बच्ची समेत तीन लोगों को गंभीर हालत के चलते जयपुर रेफर किया गया है। मृतकों में 6 लोग श्योपुर जिले के थे। घायलों में भी 2 लोग श्योपुर के हैं। वहीं, 3 मृतक राजस्थान के करौली जिले के खिरकन गांव निवासी थे। यहां की एक बच्ची सहित 2 लोग घायल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही कलेक्टर नीलाभ सक्सेना दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने राहत और बचाव कार्य की जानकारी ली। वहीं, एडीएम राजवीर चौधरी हॉस्पिटल में घायलों का हालचाल लेने पहुंचे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय, खुले बोरवेल बंद नहीं किए तो होगी सख्त कार्रवाई

मध्य प्रदेश में अब कुलपति कहलाएंगे कुलगुरु

भोपाल। मध्य प्रदेश कैबिनेट की बैठक विधानसभा सत्र के शुरू होने से पहले कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगी। सोमवार को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने डॉ. मोहन यादव सरकार की तरफ से लिए गए कैबिनटे के निर्णयों की जानकारी दी। विजयवर्गीय ने बताया कि कैबिनेट ने उच्च शिक्षा विभाग के मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक-2024 प्रारूप को को मंजूरी दे दी। अब प्रदेश के कुलपति कुलगुरू कहलाएंगे। वहीं, मध्यप्रदेश मंत्री (वेतन तथा भत्ता) संशोधन विधेयक-2024 का अनुमोदन किया गया।

विधेयक पर आवश्यक कार्यवाही करने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग को अधिकृत किया गया। इसमें अब मंत्रियों के वेतन और भत्ते पर आयकर सरकार नहीं भरेंगी। मंत्री खुद ही अपना आयकर भरेंगे। राष्ट्रीयकृत लघु वनोपजों के व्यापार से अर्जित शुद्ध लाभ की राशि का वितरण किये जाने का निर्णय लिया गया। इसमें लघुवनोपज से जो भी राशि आएगी, उसका उपयोग आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में किया जाएगा। कैबिनेट ने मध्यप्रदेश खुले नलकूप में इंसानों के गिरने से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षा विधेयक-2024 को विधानसभा में पुरस्थापित कर पारित कराने की समस्त कार्यवाही के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को अधिकृत किया। खुले नलकूप को बंद नहीं करने पर राशि की वसूली दण्ड सहित की जा सकेगी। नए कानून में ऐसे बोरवेल को बंद कराने का दायित्व भू स्वामी और बोरवेल ड्रील करने वाली एजेंसी का होगा। ऐसे सूखे या असफल बोरवेल के खुले होने के संबंध में सीएम हेल्पलाइन या किसी शिकायत से मिलती है तो उसको बंद पहले बंद कराया जाएगा। इसका दायित्व भू स्वामी और ड्रिलिंग एजेंसी होगा। पहले उनको बोरवेल बंद कराने के लिए कहा जाएगा। इसमें असफल रहने पर उनके खिलाफ जुमार्ना लगाया जाएगा।

गौवंश के अवैध परिवहन पर वाहन होंगे राजसात -गौ-वंश को वध के प्रयोजन के लिए या गौ-मांस को ले जा रहे वाहनों को कलेक्टर राजसात कर सकेंगे। कैबिनेट में मध्यप्रदेश गौ-वंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 (यथा संशोधित 2010) में प्रस्तावित संशोधन को स्वीकृति दी। इस संशोधन प्रस्ताव को अब विधानसभा में रखा जाएगा। इसमें इसमें गौवंश को वध या गो-मांस के प्रयोजन के लिए जा रहे वाहनों को राजसात किए जाने के लिए कलेक्टर को अधिकार होंगे। अभी आरोपी कोर्ट जाकर वाहन छुड़ा लेते थे अब ऐसा नहीं कर सकेंगे।

आलीराजपुर में 'बुराड़ी कांड', घर में फंदे से लटका मिला पूरा परिवार

6 साल पहले दिल्ली में इसी दिन हुआ था मास सुसाइड केस, रिश्तेदारों ने जताई हत्या की आशंका

आलीराजपुर। मध्य प्रदेश के अलीराजपुर के एक घर में पति-पत्नी और तीन बच्चों के शव फंदे से लटकते पाए गए हैं। यह हत्या या फिर आत्महत्या यह अभी साफ नहीं हो सका है। पुलिस ने सभी पांचों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है। घटना की सूचना के बाद पुलिस के आला अधिकारी सहित एफएसएल की टीम मौके पर पहुंचे हैं। बता दें कि, इस घटना ने आज से ठीक 6 साल पहले दिल्ली के बुराड़ी में हुए मास सुसाइड केस की यादों को ताजा कर दिया है। उस घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रखा दिया था। जानकारी के अनुसार, अलीराजपुर जिले के सोंडवा थाना क्षेत्र के राऊड़ी गांव के एक घर के अंदर सोमवार को पति-पत्नी और तीन बच्चों के शव फांसी के फंदे पर लटके मिले हैं। मृतकों की पहचान राकेश उसकी ललिता, बेटी लक्ष्मी, बेटा प्रकाश और अक्षय के रूप में हुई है। मृतकों के रिश्तेदारों ने इनकी हत्या की आशंका जताई है। पुलिस हर एंगल से इस घटना की जांच कर रही है। वारदात की सूचना पाकर एसपी राजेश व्यास भी मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस परिजन के बयान ले रही है। ग्रामीणों का कहना है कि परिवार के मुखिया या किसी सदस्य ने कभी किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया था। राकेश के काका सुबह घर पहुंचे तो इस घटना की जानकारी लगी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। आसपास के लोगों ने बताया कि राकेश पेशे से किसान था। परिवार के मुखिया या किसी सदस्य ने कभी भी किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया था। फिलहाल पुलिस हत्या और आत्महत्या के एंगल पर जांच कर रही है। आसपास के रहने वाले लोगों के भी बयान लिए जा रहे हैं। वहीं, स्थानीय भाजपा नेता ने हत्या का आरोप लगाया है। इस मामले में भाजपा मंडल अध्यक्ष जयपाल सिंह का कहना है कि यह परिवार खुदकुशी जैसा कदम नहीं उठा सकता है, यह हत्या है। पुलिस को इसकी जल्द जांच करना चाहिए।

एसपी बोले- पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार

एसपी राजेश व्यास ने बताया कि सुबह 7 बजे मामले की सूचना मिली थी। राकेश का घर उसके खेत के पास ही बना है। प्रकरण गंभीर है इसलिए एफएसएल की टीम बुलाई है। साइबर टीम को भी लगाया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगा कि किन परिस्थितियों में मौत हुई है। कलेक्टर डॉ. अरविंद अभय बेडेकर ने कहा कि किन परिस्थितियों में मौत हुई, यह बताना अभी जल्दबाजी होगी। पुलिस टीम गंभीरता से जांच कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली के बुराड़ी सामूहिक आत्महत्या कांड को हुए आज 6 साल बीत गए हैं। बुराड़ी के संत नगर के एक घर में 1 जुलाई 2018 को परिवार के 11 लोगों द्वारा एक साथ सामूहिक आत्महत्या का मामला सामने आया था।

वैज्ञानिकों ने खोजा धरती का एक और चंद्रमा

सूर्य की परिक्रमा के साथ-साथ लगा रहा है पृथ्वी का भी चक्कर, हजारों साल तक रहेगा करीब

नई दिल्ली। खगोल वैज्ञानिकों ने पृथ्वी का एक नया चाँद खोज निकाला है। यह क्षुद्रग्रह सूर्य के साथ-साथ पृथ्वी की भी परिक्रमा लगा रहा है। इस करार दिया गया है और वैज्ञानिकों द्वारा इसको अर्ध चंद्र या अर्ध उपग्रह कहा जा रहा है। इस अर्ध उपग्रह का पृथ्वी का नया उपग्रह कहा जा रहा है क्योंकि यह सूर्य की परिक्रमा ठीक पृथ्वी के समय में ही कर रहा है। साथ ही यह पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव को भी प्रभावित कर रहा है। जिसके कारण वैज्ञानिकों के बीच में इसे लेकर दिलचस्पी बढ़ गई है। क्षुद्रग्रह का आकार करीब 50 फीट (15 मीटर) है। जबकि यह पृथ्वी से करीब 14 मिलियन किलोमीटर दूर है। इस अर्ध-उपग्रह को खोजने के लिए विज्ञानियों ने ढअठ-रळअफफर नामक टेलिस्कोप का उपयोग किया था।

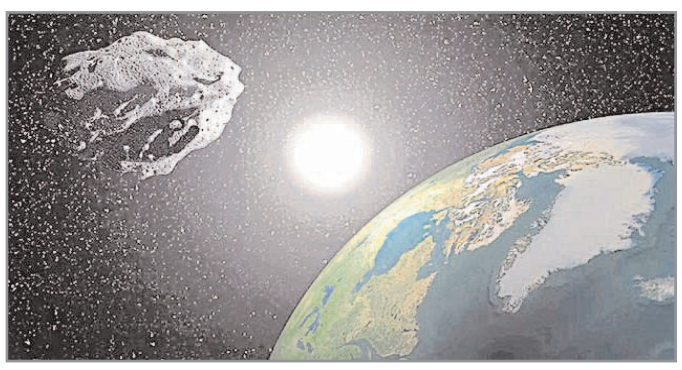

इसको पिछले साल मार्च 2023 में खोजा गया था। यह टेलीस्कोप हवाई प्रांत के मावी द्वीप पर स्थित एक विशुस्त ज्वालामुखी हेलाकली पर स्थित है। वैज्ञानिकों द्वारा इसका उपयोग अंतरिक्ष में नई खोजों के लिए किया जाता है। इस टेलीस्कोप के अलावा ऐरीजोना में स्थित दो और टेलीस्कोपों ने भी इस अर्ध-उपग्रह के पृथ्वी की कक्षा में होने और पृथ्वी की सूर्य की परिक्रमा करने के समय पर ही परिक्रमा करने की खबर पर अपनी मुहर लगाई थी। इस क्षुद्र ग्रह को आधिकारिक रूप से अंत्तर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ द्वारा 1 अप्रैल को मान्यता दे दी गई थी। यह संगठन ही हमारे सौर मंड़ल के ग्रहों नए उपग्रहों और ग्रहों की लिस्टिंग के लिए जिम्मेदार है। वियोन न्यूज में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस क्षुद्रग्रह की लिस्टिंग पर पत्रकार और खगोलविद् एडरिन कॉफिनेट की नजर पड़ी। उन्होंने क्षुद्रग्रह के पथ को मैप करने के लिए एक कक्षा सिम्युलेटर का प्रयोग किया। कक्षा सिम्युलेटर का विकास करने का श्रेय खगोलशास्त्र में शौक रखने वाले टोनी डन द्वारा किया गया था। इस मॉडल में, 2023ऋह13 को पृथ्वी की तरह ही सूर्य के चारों तरफ चक्कर लगाते हुए देखा गया था। चूंकि क्षुद्रग्रह हमारे ग्रह के चारों ओर भी चक्कर लगा रहा था इसलिए कॉफिनेट ने इसको अर्ध-चंद्र कहा। बोल्डर के स्पेस साइंस रिसर्च संस्थान के सीनियर वैज्ञानिक ने कहा कि पृथ्वी भी इस क्षुद्रग्रह को गति देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है ऐसे में इसे अर्ध चंद्र कहना अभी जल्दबाजी होगी। वैज्ञानिकों के अनुसार क्षुद्रग्रह 2023ऋह13 करीब 100साल ईसा पूर्व से हमारी पृथ्वी के साथ है। इस क्षुद्रग्रह के 3700 ईसा पूर्व तक सूर्य के चारों और अपनी कक्षा में हमारी पृथ्वी का अनुसरण करने की संभावना सबसे अधिक है। कॉफिनेट ने कहा कि ऐसा लगता है कि यह अब तक ज्ञात पृथ्वी का सबसे लंबा अर्ध-उपग्रह है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह क्षुद्रग्रह भले ही पृथ्वी के करीब घूम रहा हो लेकिन इसके पृथ्वी से टकराने की संभावना न के बराबर है, यह पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र पर प्रभाव डालता है लेकिन इतना नहीं की कुछ गड़बड़ होने की संभावना हो।

सिंगल कॉलम

नीट और नर्सिंग घोटाले के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

इंदौर। कांग्रेस ने सोमवार सुबह मध्यप्रदेश में नर्सिंग घोटाले के विरोध में कलेक्टर कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता इस प्रदर्शन में शामिल हुए। कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने नर्सिंग घोटाले की निष्पक्ष जांच की मांग भी की। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीतसिंह चड्ढा ने बताया कि प्रदेश में नर्सिंग शिक्षा घोटाला एवं नीट पेपर लीक ने शिक्षा व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है। इन परीक्षाओं में छात्रों के अभिभावक महंगी पढ़ाई करवाकर बच्चों को परीक्षा दिलवाते हैं और उसके बाद में घोटाला हो जाता है। यह बच्चों के भविष्य के साथ गलत है। इसी को लेकर आज का धरना दिया जा रहा है। इस प्रदर्शन में पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष भी मौजूद रहे। धरना प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल को तैनात किया गया है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन, धरना देकर की नारेबाजी

इंदौर। इंदौर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सोमवार को कलेक्टोरेट के बाहर धरना प्रदर्शन किया। इन लोगों ने बैठकर धरना दिया और नारेबाजी की। साथ ही चेतावनी कि अगर 10 दिनों में मांगें पूरी नहीं हुई तो उग्र आंदोलन करेंगी। आंगनवाडियों का यह प्रदर्शन सोमवार को प्रदेशभर में किया जा रहा है। इसी कड़ी में इंदौर में किया गया। दोपहर करीब 12 बजे आंगनवाडी कार्यकर्ता कलेक्टोरेट के बाहर एकत्रित हुई और प्रदर्शन शुरू किया। उन्होंने सरकार के सामने 7 मांगें रखी हैं जिसके लिए वे पूर्व में भी मांग कर चुकी हैं। उनका कहना है कि हम जमीन स्तर पर काम कर रहे हैं लेकिन काम बहुत ज्यादा दे दिया गया है। हम लोगों को दो-दो एप संपर्क और पोषण एम की जिम्मेदारी दी गई है। हम एप पर काम करना चाहती हैं लेकिन हम मानसेवी पर बहुत ज्यादा दबाव है और मॉनिटरिंग है। कई प्रकार की दिक्कतें हैं। रोज 8-10 घंटे हो जाते हैं। उनकी मांग है कि एक एप का कामकाज हमसे नहीं लिया जाए। धरने को भारतीय मजदूर संघ का भी समर्थन रहा।

इंदौर में वाहन चालक फटाफट पार सकेंगे विजय नगर चौराहा

इंदौर । इंदौर शहर के विजय नगर चौराहे पर अभी कार व अन्य वाहनों को ज्यादा समय तक सिग्नल पर रुकना पड़ता है। इस चौराहे से वाहनों को ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए ट्रैफिक पुलिस व इंदौर नगर निगम ने काम शुरू कर दिया है। सोमवार को चौराहे पर लेफ्ट टर्न के लिए चौराहे के चारों ओर सीमेंट के प्रीकास्ट बैरियर रखे गए हैं, ताकि चौराहे पार करने वाले व लेफ्ट टर्न की ओर जाने वाले वाहनों को राह अलग-अलग व सुगम हो सके। अभी चौराहे पर सिग्नल की एक ओर जो वाहन खड़े होते हैं, उन्हें 75 से 90 मीटर की दूरी तय कर चौराहा पार करना पड़ता है। ज्यादा दूरी होने के कारण वाहनों को अभी चौराहा पार करने में ज्यादा समय लगता है। अब इस दूरी को कम कर 50 मीटर किया जाएगा। शुरुआत में अस्थाई स्टापर रख धीरे-धीरे उन्हें आगे बढ़ाकर देखा जाएगा कि वाहन चालक चौराहा कितने समय में पार करते हैं। इससे यहां खड़े रहने वाले वाहन सिग्नल की टाइमिंग से आसानी से इसे पार कर सकेंगे। इंदौर शहर में विजय नगर चौराहे पर सत्यसाई व रसोमा चौराहे की ओर बीआरटीएस की मौजूदा रेलिंग को 15 मीटर आगे चौराहे तक बढ़ाया जाएगा। ऐसे में आई-बस भी कम समय में चौराहे को पार कर पाएगी।

अब महिला, बच्चों व बुजुर्गों को बयान देने नहीं जाना होगा थाने

इंदौर। साइबर एक्सपर्ट के ओपिनियन को नए कानून में मान्यता मिली है। ट्रायल, इंवेस्टिगेशन में सीधा लाभ मिलेगा। सबसे बड़ी चुनौती एक आम आदमी की होती है, चाहे उसके खिलाफ या वह करे। दो आदमी थाने में झूठ बोल दें, फिर भी पुलिस की मजबूरी रहती थी कि एफआईआर लिखना है। अभी भारत में यह स्थिति नहीं है कि 60-90 दिन में पुलिस बारीकी से जांच करे और खात्मा करे। उनकी अपनी परेशानियां हैं। नए कानून में एविडेंस कलेक्ट की बात कही गई है, जिससे लाभ मिलेगा। कई नई चीजें इसमें आई हैं। उदाहरण के लिए यदि कोई शादी का आश्वासन देकर महिला से दुष्कर्म करता है। इसमें अब दुष्कर्म की धारा में केस दर्ज नहीं होगा, इससे कानून का दुरुपयोग होने से बचेगा। यह बात महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सभागार में सोमवार से लागू हुए नए आपराधिक कानून-2023 के प्रचार प्रसार व जागरूकता के लिए आयोजित परिचर्चा में कही। उन्होंने बताया कि मैंने एक सुझाव भी दिया है कि हर थाने पर दो एसएचओ हों, एक जांच और एक लॉ आर्डर के लिए। तभी जाकर सही अर्थों में जो बदलाव आए हैं, वे जमीन पर उतारे जा सकेंगे। क्योंकि अभी इसमें समस्या आएगी। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि कोई भी नई पध्दति चालू होने से शुरू में परेशानी आ सकती है।

कचरा गंदगी फैलाने पर 2 बस ऑपरेटर, 3 दुकानदारों पर कार्रवाई, सरवटे बस स्टैंड पर भी मिली गंदगी

निगमायुक्त ने पीकर देखा गंगवाल बस स्टैंड के प्याऊ का पानी

सिटी चीफ इंदौर।

नगर निगम कमिश्नर सफाई व्यवस्था को लेकर लगातार सख्ती दिखा रहे हैं। गंगवाल बस स्टैंड स्थित सार्वजनिक प्याऊ पर पानी पीकर चेक किया। उनके निर्देश पर कचरा-गंदगी फैलाने वाले 2 बस ऑपरेटर सहित 3 दुकानदारों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है। साफ-सफाई ठीक से नहीं होने पर तीन दरोगा के 5 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं।

नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने सोमवार सुबह सफाई व्यवस्था का निरीक्षण द्रविड़ नगर से किया। कमिश्नर ने महू नाका पर कर्मचारियों की उपस्थिति रजिस्टर चेक किया। गंगवाल बस स्टैंड पर सफाई व्यवस्था देखी। बस स्टैंड स्थित सार्वजनिक पानी की प्याऊ पर पानी पीकर चेक किया। निरीक्षण के दौरान गंगवाल बस स्टैंड टिकट खिड़की पर रेड स्पॉट होने पर प्रबंधक पर नाराजगी व्यक्त

करते हुए सफाई के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही उन्होंने बस की सफाई कर कचरा बाहर फेंकने पर और दुकानदारों द्वारा गंदगी करने पर बस स्टैंड दरोगा को चालान बनाने के निर्देश दिए गए। दुकानदारों को अनिवार्य रूप से लिटर बिन रखने के भी निर्देश दिए गए। कमिश्नर वर्मा वर्मा द्वारा गंगवाल बस स्टैंड क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान कचरा और गंदगी पाए जाने पर चालानी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जोन क्रमांक 15 के सीएसआई ने गंगवाल बस स्टैंड क्षेत्र स्थित प्रिंस ट्रेवल्स पर 100 रुपए, जय श्री महाकाल ट्रेवल्स पर 200 रुपए, रजवाड़ी चाय स्टॉल पर 200 रुपए, मेहंदीपुर बालाजी स्टॉल पर 100 रुपए और नवीन प्रजापत टी स्टॉल पर 100 रुपए की चलानी कार्रवाई की।

गंदगी पर 5 दिन का वेतन काटने के निर्देश

कमिश्नर ने जोन क्रमांक 2 और जोन क्रमांक 12 की मच्छी बाजार रोड क्षेत्र का निरीक्षण किया। यहां पर कचरा-गंदगी पाए जाने पर जोन 02 और 12 के क्षेत्रीय दरोगा का 5-5 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने सरवटे बस स्टैंड क्षेत्र में भी कचरा-गंदगी पाए जाने पर क्षेत्र के दरोगा का 5 दिन का वेतन काटने के लिए कहा है।

इंदौर में 51 साल पहले एक ही महीने में हुई थी 30 इंच बारिश

इस साल भी जुलाई माह में शहर होगा तरबतर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में जुलाई का पहला दिन बारिश लेकर आया। सोमवार दोपहर के बाद कई इलाकों में अच्छी बारिश हुई। शहर में बीते जून माह में पिछले साल के जून माह के बराबर हुई है, लेकिन अब जुलाई में बेहतर बारिश की उम्मीद की जा रही है। इंदौर में 51 साल पहले जुलाई में ही 30 इंच बारिश हुई थी।

इंदौर में पिछले कुछ सालों का रिकॉर्ड अच्छा रहा है। 2023 में भी इंदौर में जुलाई के महीने में तकरीबन 17 इंच बारिश हुई थी जिसने शहर को भरपूर पानी दिया था। हालांकि जुलाई के महीने में मौसम विभाग के मुताबिक तकरीबन 12 इंच बारिश हो जाती है लेकिन पिछले साल इससे 5 इंच ज्यादा बारिश दर्ज की गई। पिछले 10 सालों का रिकॉर्ड की बात करें तो जुलाई में औसतन बारिश के मामले में 6 साल ऐसे बीते हैं, जिनमें औसत से ज्यादा पानी गिरा है। इधर समूचे मध्य प्रदेश में मानसून का सिस्टम स्ट्रांग हो गया है, जिसकी वजह से जुलाई महीने में भी इंदौर को बारिश तरबतर करने वाली है।

मौसम विभाग ने जुलाई महीने का बारिश का आंकड़ा जारी किया है। पिछले 10 साल के आंकड़े पर नजर डाली जाए तो पता चलेगा कि इसमें तकरीबन 10 में से छह बार ऐसा हुआ है जबकि औसत से ज्यादा बारिश इंदौर में हुई है और इस बार भी ऐसा ही लग रहा है। क्योंकि मौसम विभाग के मुताबिक 12 इंच के आसपास बारिश जुलाई महीने में होना चाहिए लेकिन पिछले साल तकरीबन 17 इंच बारिश इंदौर में हो गई थी। जुलाई महीने में हुई इस बारिश के बाद इस साल भी लग रहा है कि जुलाई

2024 में भी मेघराज इंदौर पर मेहरबान रहने वाले हैं आपको बता दें कि पिछले साल अच्छी बारिश हुई थी जिसकी वजह से सभी तालाब लबालब भर गए थे और इंदौर को पानी की कमी नहीं हुई थी इस बार मानसून 22 जून को आया है और करीब 5 से 6 दिन लेट आए मानसून से अब उम्मीद जग रही है कि जुलाई में दक्षिण पश्चिम मानसून अच्छी बारिश करके जाएगा।

पिछले 10 साल में इंदौर में बारिश का हाल कैसा रहा है?

शुरूआत करते हैं साल 2014 से जहां जुलाई महीने में 5 ।64 इंच बारिश हुई थी। वहीं, 2015 में 14.3 9 इंच बारिश, 2016 में 15.1 इंच बारिश, 2017 में 10 इंच बारिश, 2018 में 9.58 इंच बारिश, 2019 में 14 इंच बारिश, 2020 में 7.64 इंच बारिश, 2021 में 7 इंच बारिश, 2022 में 14.3 9 इंच बारिश और साल 2023 में 18 इंच बारिश दर्ज की गई थी।

दिन का औसत तापमान 30.2 डिग्री

तापमान की बात करें तो जुलाई में दिन का औसत तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस रहता है और रात में यही तापमान गिरकर 22.8 डिग्री सेल्सियस तक आ जाता है। जुलाई के महीने में बारिश के दिनों की औसत संख्या करीब 13 दिन की होती है जब बारिश हो रही होती है। इधर जुलाई महीने में सबसे ज्यादा बारिश का रिकॉर्ड 1973 का है जहां 30 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई थी।

1966 में रहा था सर्वाधिक 39.9 डिग्री तापमान

मौसम विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, सन 1966 में 12 जुलाई को इंदौर का तापमान सबसे ज्यादा दर्ज किया गया था। इस दिन तापमान करीब 39.9 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा था।

इंदौर के अनाथ आश्रम में 12 बच्चों की बिगड़ी तबीयत

दो की मोत, पुलिस मामले की जांच में जुटी

प्रदीप चौधरी । सिटी चीफ

इंदौर के अनाथ आश्रम में 12 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। दो दिन में दो बच्चों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बच्चों के खून में इंफेक्शन मिला है। मंगलवार सुबह बच्चों को एमवाय अस्पताल से चाचा नेहरु अस्पताल भेजा गया है।

सभी बच्चे मल्हारगंज स्थित श्री युगपुरुष धाम में रह रहे थे। इन्हें अलग-अलग जिलों से लाकर आश्रम को सौंपा गया था। मल्हारगंज पुलिस के मुताबिक 12 साल के करण की सोमवार को तबीयत बिगड़ी और मौत हो गई। मंगलवार सुबह 7 साल के आकाश ने दम तोड़ दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। आश्रम की ओर से बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष को लेटर लिखकर मामले की जानकारी दी गई है। इसमें खून में इंफेक्शन होने की बात लिखी है।

कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया, 2 बच्चों की मौत हुई है। डायरिया या डीहाइड्रेशन से 1 मौत की आशंका है। 1 मौत फिट जैसी बीमारी के कारण होना पता चली है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

जिस बच्चे को पहले इंफेक्शन हुआ, वह स्वस्थ

बताया जा रहा है कि सबसे पहले आश्रम में कृष्णा को इंफेक्शन हुआ था। इसके बाद बाकी बच्चों की हालत बिगड़ी। कृष्णा अब स्वस्थ है। 12 साल का करण देवास जिले के सोनकच्छ का रहने वाला था। इसे 15 महीने पहले चाइल्ड लाइन के माध्यम से आश्रम में लाया गया था। जबकि, नर्मदापुरम जिले का रहने वाला 7 साल के आकाश को चाइल्ड लाइन ने 3 महीने पहले आश्रम को सौंपा था।

मानसिक रूप से कमजोर बच्चों का आश्रम है

इंदौर के पंचकुइया रोड स्थित श्री युगपुरुष धाम आश्रम में मानसिक दिव्यांग बच्चों को रखा जाता है। यहां अलग-अलग जिलों से बच्चों को चाइल्ड लाइन या अन्य माध्यम से सौंपा जाता है। यहां फिलहाल 217 मानसिक दिव्यांग बच्चे (101 बच्चे और 116 बच्चियां) हैं। सरकारी रिकॉर्ड में सभी बच्चों के साथ मां का नाम डॉ. अनिता शर्मा लिखा हुआ है। जो बच्चे 10-15 साल पहले आए थे, इन्हीं में से 18 बेटियां एक-एक बच्चे की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

2006 में 78 बच्चों से हुई शुरुआत

आश्रम 2006 में 78 दिव्यांग बच्चों से शुरू हुआ था। युगपुरुष स्वामी परमानंदगिरि महाराज के सान्निध्य में यह संचालित हो रहा है। तब सभी की मां का नाम प्राचार्य अनिता के नाम पर और पिता की जगह आश्रम के सचिव तुलसी शादीजा का नाम लिखा गया। सभी के सरनेम स्वामीजी के नाम पर परमानंद रखे गए।

चाकू दिखाकर शराब के लिए मांग रहा था रुपये, छीनकर उसी पर कर दिए 18 वार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर शहर द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में रविवार रात चाकू दिखाकर शराब के लिए रुपये मांगने पर चार युवकों ने उसी से चाकू छीनकर हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, सुनील चौहान (20) निवासी ऋषि पैलेस पर तत्कालीन विवाद में युवकों ने हमला कर दिया। चाकू से शरीर पर 18 वार किए। घायल अवस्था में सुनील ने भाई दिनेश को फोन लगाया। इसके बाद भाई बहन आरती के साथ मौके पर पहुंचा। स्वजन सुनील को निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां से एमवाय अस्पताल रेफर किया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में मुख्य आरोपित हर्ष गोयल (18), आदेश बिल्लौरे (18), बबलू काहरे (24) और श्याम गुजराल (20) को गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस के मुताबिक, आरोपितों ने पूछताछ में बताया कि सुनील नशे में था। उसने हमारे से नशा करने के लिए 200 रुपये मांगने लगा। जब रुपये देने से मना किया, तो वो चाकू दिखाकर धमकाने लगा। बोलने लगा, रुपये दे दो नहीं तो इसी से मार दूंगा। इसके बाद हमने चाकू छीनकर उसी को मार दिया।

राजबाड़ा, सियागंज, जवाहर मार्ग, सुभाष मार्ग, एमजी रोड से बीआरटीएस, रिंग रोड तक व अन्य क्षेत्रों में चलाने की योजना

शहर में केबल कार चलाने की तैयारी, जल्द शुरू होगा फिजिबिलिटी सर्वे

सिटी चीफ इंदौर।

शहर के व्यस्त क्षेत्रों में लोक परिवहन के लिए केबल कार चलाने की योजना के लिए फिजिबिलिटी सर्वे का काम आईडीए ने वेस्कास को सौंपा है। देश की एक और नामी राइट्स ने भी रुचि दिखाई थी। कंपनी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अलग रूट पर फिजिबिलिटी देखेगी। ऑपरेशन मॉडल भी प्रस्तावित करेगी। आईडीए ने पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के आधार पर प्रस्ताव तैयार किया है। इसे भी परखा जाएगा।

राजबाड़ा, सियागंज, जवाहर मार्ग, सुभाष मार्ग, एमजी रोड से बीआरटीएस, रिंग रोड तक व अन्य क्षेत्रों में केबल कार चलाने की योजना है। 5 साल से इसके लिए अलग-अलग स्तर पर प्रयास हो रहे है। इसके लिए प्रारंभिक सर्वे भी किया गया, लेकिन मेट्रो की कवायद के चलते प्लान ठंडे बस्ते में चला गया। हाल ही में

नगरीय आवास ?व विकास विभाग के मंत्री के निर्देश पर आईडीए ने इसके सर्वे के लिए टेंडर जारी किया था। जिसमें वेस्कास व राइट्स ने टेंडर भरे थे।

कलेक्टर, आईडीए सीईओ से चर्चा के दौरान कंपनी के अधिकारियों ने बताया, ट्रैफिक सघनता वाले क्षेत्रों के लिए यह बेहतर लोक परिवहन मॉड है। इसमें 6 से 12 सवारी वाली कार केबल के सहारे हवा में चलती है। यह रोप-वे से अलग मॉडल है। विदेशों में तो शहरों में इसे लगाया जा रहा है। इसके निर्माण में लागत और जगह कम लगती है।

केंद्र से सहायता संभव

शहर में केबल कार प्रोजेक्ट के लिए एनएचएआई ने भी शुरूआत की थी। इसके लिए सर्वे भी प्लान किया था। एनएचएआई की लॉजिस्टिक मैनेजमेंट कंपनी ने प्रदेश में इंदौर सहित उज्जैन, सागर व अन्य शहरों में सर्वे की जिम्मेदारी ली। सरकार से रूट्स मांगे। इंदौर के लिए रूट्स नहीं मिलने पर कंपनी ने अन्य शहरों में सर्वे कर लिया। इसके लिए केंद्र से सहायता मिल सकती है।

नेता प्रतिपक्ष बोले- 300 करोड़ की वसूली हुई, मंत्री विश्वास सारंग को बर्खास्त करें

नर्सिंग घोटाले पर हंगामा, विधानसभा की कार्यवाही स्थगित

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन सोमवार को कांग्रेस ने नर्सिंग घोटाले पर चर्चा की मांग की। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा, युवाओं के साथ अन्याय हुआ है, चर्चा होनी चाहिए। इस पर संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जवाब दिया, मामला कोर्ट में है इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। इसके बाद सदन में हंगामा हो गया। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने दोपहर 1 बजे तक के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी।

कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर सिंघार ने एक बार फिर चर्चा की बात कही। इस पर सीएम मोहन यादव ने कहा, नियम प्रक्रिया के अंतर्गत मान्य परंपरा में चर्चा के लिए तैयार हैं। उत्तेजना से हम बात सुन नहीं सकते। हम सीधी साधारण भाषा बोलते हैं। किसी से डरते नहीं हैं। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, यह आप दोनों ने मुझ पर छोड़ने के लिए कहा है तो कल इसका ध्यान रखेंगे। प्रश्नोत्तर काल के बाद चर्चा होगी।

हमारी सरकार डरने वाली नहीं है- सीएम यादव

दूसरी ओर, स्थगन प्रस्ताव को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि सरकार सभी विषयों पर चर्चा के लिए तैयार है। लेकिन, सदन की कुछ परंपराएं हैं। स्थगन के बजाय ध्यान आकर्षण लाएं, सरकार चर्चा के लिए तैयार है। सीएम मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार डरने वाली नहीं है। कोई उत्तेजना से बात करेगा तो सुनने की आदत हमारी भी नहीं है।

नियम अनुसार ही बिछाई बिजली की लाइन

ध्यानाकर्षण में दिनेश गुर्जर ने मुरैना में हाई टेंशन लाइट का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि मुरैना की आवासीय घरों के ऊपर हाई टेंशन की लाइन गुजर रही है। करीब दर्जन घर से अधिक लोगों की मृत्यु हो चुकी है, इसकी वजह से जनता के बीच आक्रोश पैदा हो रहा है। इस पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने कहा कि नियमों के मुताबिक ही विद्युत लाइन बिछाई गई है। नियमों के मुताबिक भवनों का निर्माण नहीं किया गया है। ज्यादा निर्माण होने की वजह से हाई टेंशन लाइन के पास भवन आ गए हैं। भवन मालिकों ने विद्युत नियमों को उल्लंघन किया है। लाइनों को घर से हटाने के लिए लोगों को खुद ही आवेदन करना होगा। इसके लिए विद्युत नियम के मुताबिक फीस का भी भुगतान करना होगा।

नर्सिंग एप्रिन पहन विधानसभा पहुंचे कांग्रेस विधायक, गांधी प्रतिमा में सामने जमकर किया हंगामा

गले में नर्सिंग घोटाले की चिट लगाकर सदन में दाखिल हुए विधायक

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले ही कांग्रेस हंगामा के मूड में दिखी। कांग्रेस विधायकों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इस बार की विधानसभा आसान होने वाली नहीं है। सदन की कार्रवाई शुरू होने से पहले ही कांग्रेस के सभी विधायक विधानसभा परिसर स्थित गांधी की प्रतिमा के पास नर्सिंग एप्रिन पहन कर जमकर हंगामा किया।

खास बात यह भी थी कि कांग्रेस के सभी विधायक एप्रिन पहनने के साथ ही गले में नर्सिंग घोटाले की चिट लगाकर सदन में दाखिल हुए। इस मामले में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि प्रदेश में बड़ा नर्सिंग घोटाला हुआ है और पूर्व चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग की देख रेख में पूरा घोटाला किया गया है लिहाजा इतने बड़े घोटाले की जांच चल रही है तो नैतिकता के आधार पर भाजपा सरकार को विश्वास सारंग का इस्तीफा लेना चाहिए।

बच्चों से पूछो उनके दिल में क्या गुजर रही

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इस दौरान साफ शब्दों में कहा कि जिस प्रकार से प्रदेश के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है उसकी जिम्मेदारी तो किसी को लेनी होगी। जिन बच्चों का भविष्य अंधकार में जा रहा है उनसे जाकर पूछो उनके दिल में क्या गुजर रही है।

सारंग के इस्तीफे पर अड़े नेता प्रतिपक्ष

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक विश्वास सारंग का इस्तीफा नहीं हो जाता है, तब कांग्रेस की तरफ से विरोध प्रदर्शन का दौर जारी रहेगा। वहीं कांग्रेस के जवाब में राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि कांग्रेस विधायकों को कुछ नहीं आता। उन्हें अभी बहुत सीखने की जरुरत है। जब मामला सीबीआई के पास है और उसमें जांच चल रही है तो इंतजार करें कुछ दिनों में सब दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। लेकिन कांग्रेस नेताओं ने इस दौरान कहा कि सीबीआई भी तरीके से जांच नहीं कर रही है। सीबीआई के ही कई अफसर इसी मामले में जेल में है। सरकार को इस मामले को लेकर पूर्व जजों की एक कमेटी बनाने चाहिए जिसमें शिकायतकर्ता को भी शामिल करना चाहिए।

शुक्र ग्रह के उदय के साथ शुभ मुहूर्त शुरू, 17 जुलाई से मांगलिक कार्य नहीं होंगे

नौ जुलाई से शुरू होंगे विवाह

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। एक बार फिर जुलाई माह से शहनाई की धुन गूंजने वाली है। दरअसल 61 दिन बाद शुक्र ग्रह के उदय के साथ शुभ मुहूर्त शुरू हो गए है। तो वहीं शादियों के लिए नौ जुलाई से मुहूर्त शुरू हो गए है। इस माह विवाह के लिए कुल आठ शुभ मुहूर्त हैं। इसके बाद नवंबर-दिसंबर माह को मिलाकर सिर्फ 17 शुभ लग्न हैं।

मां चामुंडा दरबार भोपाल पुजारी पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि छह मई को गुरु अस्त हो चुके हैं। इसके चलते मई और जून महीने में एक भी शुभ लग्न नहीं था। तीन महीने के लंबे अंतराल के बाद धन, वैभव, प्रेम, सौंदर्य और सुख-समृद्धि के कारक शुक्र ग्रह का उदय हो गया है। मिथुन राशि में शुक्र उदय होने के साथ ही मांगलिक कार्यों शुरू हो गए है। विवाह के लिए इस माह पहला मुहूर्त नौ जुलाई को रहेगा।

जुलाई से दिसंबर तक यह रहेंगे मुहूर्त

इस वर्ष के जुलाई, नवंबर और दिसंबर महीनों में कई शुभ मुहूर्त बन रहे हैं। जुलाई में नौ, 11, 12, 13, 14, 15 और 17 तारीख को शुभ मुहूर्त हैं। 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी है, इसके बाद विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन संस्कार आदि मांगलिक कार्य बंद हो जाएंगे। वहीं, नवंबर में 17, 18, 22, 23, 24, 25 और 26 तारीख को भी शुभ मुहूर्त बनेंगे।

बफर जोन में जारी रहेगी सफारी

प्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व हुए बंद 1 अक्टूबर को खुलेंगे

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल । मध्य प्रदेश के सभी 6 टाइगर रिजर्व बांधवगढ़, कान्हा, पेंच, सतपुड़ा, पन्ना और संजय धुबरी को एक जुलाई से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। हालांकि कुछ टाइगर रिजर्व के बफर जोन में टाइगर सफारी पहले ही तरह ही संचालित होती रहेगी। नेशनल पार्क या टाइगर रिजर्व के कोर जोन में पर्यटक नहीं जा सकेंगे। नेशनल पार्कों और टाइगर रिजर्व में तीन महीने तक पर्यटकों के लिए यह पाबंदी लागू रहेगी। जो एक अक्टूबर को खुलेगी। दरअसल, यह मौसम में बाघ और बाघिन के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है वह इस इस मौसम में एकांतवास में साथ रहते हैं और उनके एकांतवास में कोई खलल हो तो वह खूंखार हो जाते हैं। जिस वजह से नेशनल पार्क बंद करने पड़ते हैं। मध्यप्रदेश में बांधवगढ़ सहित अन्य टाइगर रिजर्व के बफर जोन में सफारी जारी रहेगी और बफर में घूमने वाले टूरिस्ट बारिश के दौरान सफारी का आनंद ले सकते हैं।

ये है कारण

बारिश के दौरान बाघ और बाघिन संसर्ग करते हैं और इस दौरान वे एकांत में रहना पसंद करते हैं। यही कारण है कि बारिश के दौरान दो से तीन माह के लिए पार्क बंद कर दिए जाते हैं। इसके अलावा बारिश के दौरान पार्क या अभयारण्य के कच्चे रास्तों पर वाहन चलाना काफी मुश्किल भरा हो जाता है। जंगल के अंदर वाहनों के कच्चे रास्तों में फंसने से किसी तरह का कोई हादसे का खतरा बढ़ जाता है।

कुल्हाड़ी के हमले से तीन गंभीर घायल, दोनों परिवार में प्रेम प्रसंग से शुरू हुआ था विवाद

रंजिश के चलते दो गुटों में खूनी संघर्ष, 4 गिरफ्तार

भोपाल। सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते दो गुटों में खूनी संघर्ष हो गया, जिसमें तीन लोगों को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने कुल्हाड़ी और डंडे से जानलेवा हमला करने वाले चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है, वहीं दो की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि अलाउद्दीन की बेटी और बिलाल के भाई के बेटे बन्ने खां के बीच प्रेम प्रसंग को लेकर दो साल पुराना विवाद था। सोमवार को बिलाल के परिवार में शादी होना है, जिसमें शामिल होने उसके भाई का परिवार भी पहुंचा था। शनिवार सुबह उनकी पड़ोसी अलाउद्दीन के परिवार के लोगों से मामूली बात पर बहस हुई और धीरे-धीरे विवाद बढ़ने लगा,

जिसके बाद अलाउद्दीन के परिवार के छह लोगों ने कुल्हाड़ी और डंडे से हमला कर दिया। इससे बन्ने खां और उसके भाईयों को गंभीर चोट लगी है। फिलहाल तीनों खतरे से बाहर हैं और उनका हमीदिया अस्पताल में इलाज जारी है। वहीं चार आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है और दो की तलाश की जा रही है।

कुल्हाड़ी और डंडे लेकर टूट पड़े

पुलिस के मुताबिक अलाउद्दीन और बिलाल खां दूर के रिश्तेदार है। उनके परिवारों में दो साल पुरानी रंजिश चल रही थी। बिलाल खां के अब्बास नगर निवासी छोटे भाई मकबूल के पुत्र बन्ने खां का अलाउद्दीन की बेटी के साथ प्रेम प्रसंग था। इसके बाद से ही दोनों परिवारों के रिश्तों गर्माहट शुरू हो गई थी। हालांकि इन दो वर्षों में बन्ने खां तथा अलाउद्दीन की बेटी की अलग-अलग स्थानों पर शादी हो चुकी है। परंतु सोमवार को बिलाल के परिवार में होने वाली शादी में बन्ने खां और उसके भाई शामिल होने पहुंचे थे। पुरानी रंजिश के चलते ही दोनों परिवारों में फिर झगड़ा हो गया और अलाउद्दीन के परिवार के छह लोगों में तीन ने कुल्हाड़ी एवं अन्य तीन ने डंडे से बन्ने खां और उसके दोनों भाईयों पर वार शुरू कर दिया।

रुपए वापस मांगे पर दिए चेक हो गए बाउंस

प्लाट दिलाने का झांसा देकर होमगार्ड जवान से ठगे छह लाख रुपए

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। होमगार्ड जवान से प्लाट दिलाने के नाम पर होमगार्ड से धोखाधड़ी का एक मामला कोलार थाने में दर्ज किया गया है। महिला समेत दो आरोपितों ने फर्जी प्लाट दिखाकर फरियादी से छह लाख रुपये से ज्यादा की ठगी की थी।

पुलिस के मुताबिक सूर्यनारायण तोरनिया शिरडीपुरम कोलार रोड पर रहते हैं और होमगार्ड के रूप में होशंगाबाद में पदस्थ हैं। पिछले वर्ष उनकी मुलाकात जितेंद्र बाधवानी से हुई थी। जितेंद्र ने सूर्यनारायण को ग्राम इमलिया में रिचा गौर की जमीन पर काटे गए फार्म हाउस दिखाए थे। दोनों के मध्य 16 लाख रुपए में 4500 वर्ग फीट के एक प्लाट का सौदा तय हुआ। कुछ दिन बाद रजिस्ट्री के लिए भी सूर्यनारायण ने उसे छह लाख रुपए दिये थे।

वहीं रजिस्ट्री के लिए जब होमगार्ड प्लाट पर फोटो कराने के लिए पहुंचा तो जानकारी मिली की प्लाट तो किसी और को पहले ही बेचा जा चुका है। सूर्यनारायण ने जब रिचा से अपने रुपये वापस मांगे तो रिचा गौर ने दो चैक दे दिये, लेकिन वह बाउंस हो गए। जिसके बाद सूर्यनारायण की शिकायत पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

युवक से मारपीट कर बदमाशों ने की लूट

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। गांधीनगर इलाके के शासकीय अस्पताल के पास रविवार देर रात दो बदमाशों ने एक युवक से मारपीट कर 15 हजार रुपए की लूट की है। गांधीनगर के सेक्टर 11 निवासी इमरान रविवार को रात करीब दस बजे अपने घर जा रहा था, तभी अस्पताल के पास आकर दो बदमाशों ने इमरान के सिर पर लोहे के पाइप से हमला कर दिया। साथ ही मारपीट कर उससे 15 हजार रुपए भी लूट लिए। मारपीट के दौरान घायल हुए युवक को राहगीरों की सहायता से श्रद्धा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने प्रवेश नीति के तहत जारी किए दिशा-निर्देश

नौवीं में नामांकन के लिए समग्र आईडी जरूरी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमे) ने नौवीं में विद्यार्थियों के नामांकन में समग्र की अनिवार्यता को इस बार फिर से कर दिया है। आनलाइन नामांकन आवेदन में अब टीसी रजिस्टर के आधार पर भरी गई जानकारी के आधार और समग्र आईडी में उल्लेखित जानकारी के आधार पर नामांकन होंगे।

नौवीं के विद्यार्थियों के नामांकन आवेदन-पत्र भरने की अंतिम तिथि 30 सितंबर तक है। वहीं विलंब शुल्क के साथ 30 नवंबर तक आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में माशिमं ने प्रवेश नीति में दिशा- निर्देश जारी कर दिए हैं। दरअसल माशिम ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 में नौवीं कक्षा के नामांकन के लिए समग्र आईडी को अनिवार्य नहीं किया था। इसमें आधार कार्ड भी ईकेवायसी करना है, जबकि सरकारी स्कूलों में ग्रामीण क्षेत्र के लाखों की संख्या में विद्यार्थियों के नामांकन व आधार कार्ड में गलती थी। इस कारण पिछले साल समग्र आईडी की अनिवार्यता को समाप्त किया था। मंडल ने इसमें सुधार के लिए स्कूल प्राचार्यों को अधिकृत भी किया। इसके बावजूद इसके नियमों के कारण इनमें सुधार हो पाना संभव नहीं हो पा रहा था। ऐसे परेशान कई सरकारी स्कूल के प्राचार्यों ने मंडल सचिव को पत्र लिखा था। इसके बाद मंडल सचिव ने समग्र की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया था। लेकिन फिर से डाटा मैच नहीं होने के कारण सत्र 2024-25 में समग्र आईडी को जरूरी कर दिया है।

स्कूल प्राचार्य को देना होगा घोषणा पत्र

प्रत्येक विद्यार्थी का नामांकन आवेदन-पत्र भरते समय संबंधित छात्र की समग्र आईडी अंकित करना होगा। नौवीं के विद्यार्थी का एमपी आनलाइन के पोर्टल पर समग्र आईडी अंकित करते ही समग्र आईडी में दर्ज छात्र/छात्रा की सभी जानकारियां जैसे छात्र का नाम, पिता का नाम, माता का नाम, जन्मतिथि आदि स्क्रीन पर प्रदर्शित होगी। प्रदर्शित जानकारी सही होने की स्थिति में सीधे नामांकन आवेदन-पत्र भरे जाएं और समग्र की आईडी की जानकारी में भिन्नता होने पर संस्था अभिलेख (स्कालर रजिस्टर/ टीसी) के अनुसार छात्र की जानकारी में सुधार/ संशोधन कर नामांकन आवेदन-पत्र भरे जाएंगे। यदि विद्यार्थी की समग्र आईडी की जानकारी संस्था अभिलेख से भिन्न है, तो भिन्न वाले भाग की जानकारी समग्र डाटाबेस में साझा की जाएगी। लेकिन नामांकन आवेदन-पत्र संशोधित जानकारी के आधार पर ही भरे जाएंगे।

सम्पादकीय

अजेय विश्व विजेता

इस बार दक्षिण अफ्रीका को 7 रनों से हरा कर विश्व विजयी तिरंगा लहराया है, तो टीम इंडिया पराजय के जबड़े से अतुलनीय जीत छीन कर लाई है। बेशक यह संकरी और रोमांचक जीत रही है। सबसे अद्भुत उपलब्धि तो यह है कि भारत के क्रिकेटर पूरे विश्व कप में अजेय रहकर विश्व विजेता बने हैं।

वाह, शाबाश, कमाल और करिश्मा! क्रिकेट की टीम इंडिया के लिए और कितने शब्दों का इस्तेमाल करें। आज टीम इंडिया टी-20 की विश्व विजेता है। यह अप्रतिम खेल-उपलब्धि है। टीम इंडिया 2007 में भी, महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में, दनादन क्रिकेट की सर्वप्रथम विश्व विजेता बनी थी। 17 लंबे सालों की प्रतीक्षा और निरंतर संघर्ष के बाद टीम इंडिया दोबारा विश्व चैम्पियन बनी है। यह आत्मविश्वास, धैर्य, जीतने के जज्बे और एकसूत्र में बंधी टीम की शानदार जीत है। देश खुशी से झूम रहा है। आंखें नम हैं और मुस्कान से भीगी भी हैं। असंख्य देशवासियों ने अनगिनत दुआएं भी दी होंगी। पूजा-पाठ भी किए गए। यह जीत अकल्पनीय, अप्रत्याशित और आशातीत नहीं है, क्योंकि टीम इंडिया कई बार जीत की दहलीज तक पहुंच कर ठिठकती और पराजित होती रही है। विश्व विजेता बनने के लिए कमाल की बल्लेबाजी, सटीक और स्विंगर गेंदबाजी, चुस्त और असंभव-सा क्षेत्ररक्षण कर टीम इंडिया ने साल-दर-साल मेहनत की है। यह बात कप्तान रोहित शर्मा ने कही है। इस बार दक्षिण अफ्रीका को 7 रनों से हरा कर विश्व विजयी तिरंगा लहराया है, तो टीम इंडिया पराजय के जबड़े से अतुलनीय जीत छीन कर लाई है। बेशक यह संकरी और रोमांचक जीत रही है। सबसे अद्भुत उपलब्धि तो यह है कि भारत के क्रिकेटर पूरे विश्व कप में अजेय रहकर विश्व विजेता बने हैं। यह रोहित शर्मा के 257 रनों, सूर्यकुमार यादव के 199 विस्फोटक रनों, फाइनल मैच में मास्टर विराट कोहली के 59 गेंदों पर 76 रन और अक्षर पटेल की 31 गेंदों पर 47 रनों की छक्केदार पारी के साथ-साथ बुमराह की 15, अर्शदीप सिंह की 17, हार्दिक पंड्या की 11 और कुलदीप यादव की 10 विकेटों की सामूहिक जीत है। बेशक ऋषभ पंत के योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता। टीम इंडिया का गठन ऐसा है कि बोर्ड और चयनकर्ताओं ने भी हस्तक्षेप नहीं किया। टीम को शिद्दत से खेलने दिया गया। 2023 में एकदिनी क्रिकेट के विश्व कप का फाइनल हारने के बावजूद रोहित शर्मा की कप्तानी पर भरोसा किया गया। बहरहाल टीम इंडिया ऐसी इकलौती टीम है, जिसने एकदिनी विश्व कप, टी-20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी 2-2 बार जीते हैं। नतीजतन टीम इंडिया टी-20 की भी विश्व में नंबर वन टीम है। एक दौर था, जब हम ऐसी सर्वोच्चता की कल्पना भी नहीं कर सकते थे। आज से 13 साल पहले 2011 में टीम इंडिया ने दूसरी बार एकदिनी क्रिकेट का विश्व खिताब जीता था। अब भारत में कपिलदेव, महेंद्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा सरीखे विश्व विजेता कप्तान हैं। अब नई, युवा पीढ़ी इस करिश्माई उपलब्धि का सिलसिला बरकरार रखेगी। चूंकि विश्व विजयी होने के तुरंत बाद विराट कोहली ने अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है और 2026 के अगले टी-20 विश्व कप तक रोहित शर्मा की उम्र भी 39 साल हो जाएगी, लिहाजा नए नेतृत्व को ढूंढने और तराशने की अहम दरकार है। भारत की बल्लेबाजी विख्यात रही है। विराट नहीं चले, तो रोहित के छक्कों ने धुएं उड़ा दिए। अब गेंदबाजी का खौफ भी फैलने लगा है। बुमराह की स्विंग का तोड़ विरोधी टीमें नहीं निकाल पा रही हैं। अर्शदीप ऐसा गेंदबाज उभरा है, जिसकी सटीक गति ने विरोधी पक्ष के पसीने छुड़ा रखे हैं। कुलदीप और अक्षर की घूमती गेंदें एक रहस्य लगती हैं। इसी विश्व कप के दौरान टीम इंडिया ने गत चैंपियन इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीमों को पटखनी दी है, उसे समूचे विश्व के क्रिकेट प्रेमियों ने देखा होगा और सराहा भी होगा। विश्व चैंपियन बनने की गुरु दक्षिणा मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को दी गई है, क्योंकि इसी प्रतियोगिता के साथ उनका दौर भी समाप्त हो गया है। संभवतः गौतम गंभीर अब टीम इंडिया के नए कोच होंगे। कोहली को विदाई की सौगात भी मिली है और वह प्लेयर ऑफ दि मैच भी चुने गए हैं। प्लेयर ऑफ दि टूर्नामेंट का सम्मान बुमराह को दिया गया है। अब भारत लौटने पर टीम का नायकीय स्वागत किया जाएगा। देश की अपेक्षा और उम्मीद रहेगी कि टीम अंतिम दौर में तनाव और दबाव के कारण फिसलना कम करे। इसका भी प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। खिलाड़ी अपने खेल में निरंतरता कायम रखने की कोशिश करें। बहरहाल सभी को ढेरों बधाइयां।

सतत विकास की संस्कृति कैसे विकसित हो?

प्रकृति की परम्परा अपने आप में परिपूर्ण है वह एक स्वतः स्फूर्त व्यवस्था है। जो जीव-जंतु हमें बिल्कुल अनुपयोगी और हानिकारक प्रतीत होते हैं, वे खाद्य श्रृंखला की अहम कड़ी हैं और उनका पर्यावरण के संरक्षण में मुख्य योगदान होता है। जैसे कीड़े-मकोड़े, पौधों के तनों और पत्तियों को खाकर फसलों को हानि पहुंचाते हैं, ये पक्षियों का भोजन बनकर पक्षियों से फसल को सुरक्षित रखते हैं और पक्षी इन कीड़ों को खाकर कीड़ों से फसल की रक्षा करते हैं।

पर्यावरण का सतत संकट आज का सबसे बड़ा खतरा है। प्रदूषण आज वैश्विक समस्या का रुप ले चुका है। कल कारखानों से निकलता काला जहरीला धुआं वायु को प्रदूषित कर रहा है। ठोस जहरीले अपशिष्ट जल प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण बने हुए है। आधुनिकता की अंधी दौड़, वृक्षों का तेजी से कटान करवा रही है। शहरी दिनचर्या की जीवन शैली में फ्रीज, एसी व लाखों वाहन वायुमंडल को सातो पहर गर्मा रहे हैं। नतीजतन पर्यावरण व प्रकृति बर्बाद हो रहे है। जिससे नई-नई बीमारियां पैदा हो रही हैं। उतना ही नुकसान प्रकृति की प्रतिक्रियावश मनुष्य का हो रहा है। जितनी तेजी से हम प्रकृति का दोहन कर रहे हैं, यानि पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे है। उतनी ही सजगता और संवेदनशीलता से प्रकृति को पोषित करने वाली कार्यवाहियों को संचालित करने का समय अब आ गया है। प्रकृति की परम्परा अपने आप में परिपूर्ण है वह एक स्वतः स्फूर्त व्यवस्था है। जो जीव-जंतु हमें बिल्कुल अनुपयोगी और हानिकारक प्रतीत होते हैं, वे खाद्य श्रृंखला की अहम कड़ी हैं और उनका पर्यावरण के संरक्षण में मुख्य योगदान होता है। जैसे कीड़े-मकोड़े, पौधों के तनों और पत्तियों को खाकर फसलों को हानि पहुंचाते हैं, ये पक्षियों का भोजन बनकर पक्षियों से फसल को सुरक्षित रखते हैं और पक्षी इन कीड़ों को खाकर कीड़ों से फसल की रक्षा करते हैं। इन कीड़ों के अभाव में पक्षी फसलों को अपेक्षाकृत अधिक हानि पहुंचा सकते हैं। इसी तरह हरे वृक्ष प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं और ऑक्सीजन निकालते हैं। यह वातावरण शुद्धि की सतत् चलने वाली प्रक्रिया हैं। जहां ऑक्सीजन सब प्राणियों के सांस लेने के लिए आवश्यक है। वही जीवों द्वारा उत्सर्जित कार्बन डाई-ऑक्साइड पूरे वनस्पति जगत का भोजन है। वृक्षों का कटान इस प्राकृतिक प्रक्रम को सर्वाधिक बाधित करता है। इस श्रृंखला को तोड़ता है। परिणामस्वरुप बाढ़, सूखा, वर्षा का बढ़ता असंतुलन, ओलावृष्टि, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता बढ़ रही है। विभिन्न तरह के प्रदूषण के कारण बीमारियां बढ़ रही है। पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है कि हम स्वाभाविक खाद्य श्रृंखलाओं को बाधित न करें। पर्यावरण संरक्षण हेतु अपने दैनिक कार्यों में ऐसी आदतें शामिल करे जिनसे पृथ्वी का वातावरण सुधर सके। स्वच्छता सहित वृक्षारोपण और वन्य जीव संरक्षण व जैव विविधता का महत्व जन-जन को समझाने का प्रयास किया जाना आज की महती आवश्यकता है। चूंकि वृक्ष खाद्य-श्रृंखला की प्रथम कड़ी है, अतः पर्यावरण के संरक्षण में वृक्षों का प्राथमिक महत्व है। जिस प्रकार पर्यावरण दूषित हो रहा है, ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ रहा है, ग्लेशियर पिघल रहे हैं, विकसित देश प्रदूषण फैला रहे हैं, छदम आवश्यकताओं की आड़ में अंधाधुंध वृक्ष कट रहे है। इसी का परिणाम है ग्लोबल वार्मिंग से धरती का तापमान बढ़ रहा है। जो अधिकांश खतरों को आमंत्रित कर रहा है। गांधी कहते है धरती हमारी नीड पूरी कर सकती है ग्रीड नहीं। प्रकृति में हमारी आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त है पर लोभ-लालच के लिए नहीं। इसलिए आवश्यकता के अनुसार प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करें, शोषण नहीं। हमने जो बेईमाना किया है वह शर्मनाक तो है ही निन्दनीय भी बेहद है। जो था, वह अब हो ही नहीं सकता है संभव भी नहीं। क्योंकि विकास की होड़ और दौड में हम बहुत दूर निकल आए हैं। फिर भी जिस बढ़ते उपभोगतावाद से यह संकट गहराया है उसी में इसके समाधान के सूत्र खोजने होगें। इसके लिए वैकल्पिक जीवन शैली का विकास ही एक रास्ता है। हमें अपने जीवन जीने के तौर-तरीकों को बदलना होगा। आप दस बाल्टी पानी में बहाते हैं तो उसे पांच बाल्टी कर दीजिए! घर में तीन गाड़ियां हैं तो एक से ही काम चला लिजिए! अपने आस-पास पाम ट्री नहीं बरगद, पीपल और नीम जैसे वृक्ष लगाइये! धार्मिक अनुष्ठानों के नाम पर नदियों/नालों को गंदा करना बंद कर दीजिए! छुट्टी मिलते ही पहाड़ों के सैर-सपाटे थोड़े कम कर दिजिए। अपने सगे संबंधियों, मित्रों, परिजनों से मिलने को अहमियत दिजिए। साथियों जब खतरा इतना बड़ा है तो इसके विकल्प भी बहुत सारे खोजे जा सकते हैं! क्हीं से भी शुरू कर दीजिए। यह सिर्फ उपदेश नहीं है बल्कि बहुत से समाजों के सजीव उदाहरण हमारे सामने है जिन्होने अपने जीवन की दिशा को बदलकर प्रकृति प्रेरित जीवन मॉडल को अपनाकर पर्यावरण को बचाने का काम किया है! दुनियां में चल रहे ऐसे सारे पर्यावरणीय प्रयास सहेजकर एक नयी जीवन शैली गढ़नी है! कुछ मानवीय प्रवृत्तियां यथाः लोभ, लालच और कंजूसी घर, परिवार, समाज और प्रकृति संरक्षण के हित में होती है। चाहे यह पर्यावरण को बचाने की दृष्टि से हो या पैसे बचाने के लिए। हालाँकि, अधिकांश लोग इस बात से अनभिज्ञ हैं कि अपने दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव करके कैसे प्रकृति पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते है। पर्यावरण की चिंता की दिशा में आपका छोटा सा प्रयास ही दुनिया को बेहतर बनाने में काम आयेगा। साधारण से बदलाव और सजगता से थोड़े जरुरी व स्थायी परिवर्तन करके, आप पर्यावरण पर अपनी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों से बड़ी मेहरबानी कर सकते हैं। सबको अपने दैनिक जीवन में सबसे टिकाऊ जीवन विचार विकसित करने ही होगें। जो पर्यावरण के अनुकूल जीवन जीने में मदद करेंगे। तभी धरती को बचाया जा सकता है। पर्यावरण पोषित जीवन शैली को ईजाद करने से पहले प्रकृति और मानवीय अस्तित्व की समझ जिन अंतर्क्रियाओं पर टिकी है उन्हें जानना जरुरी है। जैसे कि दैनिक जीवन में पर्यावरण हमारे जहन में क्या है इस पर चिंतन आवश्यक है। हम जिस समाज में है उसकी संस्कृति प्रकृति के समानांतर कितनी समझ वाली है। पर्यावरण का रख-रखाव हमारी दैनंदिन जीवन चर्या में कितना शामिल है। हमारी दैनिक जीवन गतिविधियां पृथ्वी-परिवार के जीव-जगत के लिए कितनी संवेदनशील है। हम चीजों के संरक्षण और सेविंग के लिए लालायित है या लालची है। हमारे जीवन में पर्यावरण का हित सर्वोपरि रखने वाली हरित मानसिकता का विकास करने वाले अभ्यास कितने है। आत्मनिर्भता/वैयक्तिकता के बजाए अंतर्निर्भरता व सामूहिकता में हमारी कितनी आस्था है। पर्यावरण से जीवन का जुडाव बनाए रखने वाली जीवन शैली को हम कितना पसंद करते है। पर्यावरण हितैषी जीवन जीने की जिज्ञासा को बढ़ाने वाली शिक्षा कहां से मिलेगी। धर्म, जाति, संस्कृति, राजनीति और अर्थव्यवस्था तक में प्रकृति की अर्थवत्ता का आहवाहन कैसे किया जा रहा है। ये तमाम वे प्रशन है जिनके समाधान की दिशा में बढ़कर एक इको-फ्रेंडली लाइफ स्टाइल के तौर तरीके खोजे जा सकते है। हमें अपने रोजमर्रा के जीवन और पर्यावरण संकट को जोड़कर देखने जरुरत है और अपनी जीवन शैली में सार्थक सुधार करने की भी आवश्यकता है। सुबह बिस्तर से उठने से लेकर रात को बिस्तर पर जाने तक उपभोग करने वाले उतपादों में आधुनिक जीवन शैली की देन ढेरों कैमिकल्स की एक लम्बी फेहरिस्त है। जिनका पर्यावरण से सीधा साबका है। उनके बनने से लेकर, उपयोग और विसर्जन तक पर्यावरण का ह्रास-ही-ह्रास है। जिसकी भरपाई हम छोटी-छोटी सी पहलों के जरिए प्रकृति के पोषण और इस धरती की सेवा में अपना योगदान दे कर सकते है। कुछ सावधानियां रखे। जैसे अपने घर पर रीसाइक्लिंग की व्यवस्था रखे। बहुत कम लोग है जो कचरे को कम करने और प्राकृतिक संसाधनों का पुनः उपयोग करने के लिए घर में ध्यान देते हैं जैसे कि खाद के ढेर को बनाए रखना या पानी के लिए रेन बैरल अथवा अन्य कैच का उपयोग करना। कितने लोग है जो घर पर अपनी जरुरत की सब्जियाँ उगा पाते हैं। लोग ऐसी जगहों पर भी गाड़ी से जाने में सेखी समझते है जो चलने के लिए बहुत करीब हैं। पहाड़ हमारे लिए मौज-मस्ती और सैर-सपाटे की जगह बनकर रह गए है। लोग अपने शौक और अवकाश का समय पहाड पर बिताने के आधे-अधूरे जीवन प्रदर्शन में पस्त है। वे अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण की रक्षा पर ध्यान तो केंद्रित नहीं करते पर प्राकृतिक दृश्यों की फोटोग्राफी और सेल्फी उन्हें क्षणिक प्रशंसक बनाए रखती है। प्राकृतिक सेटिंग में सैर पर जाना सबकी इच्छा रहती है। पर लाइट और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को अक्सर चालू छोड़कर चल देना सबकी सहज प्रवृत्ति बनी हुई हैं। ऐसी ही सहज लापरवाहियां हमें उन चीजों को फेंकने की आदी बनाए हुए हैं जिन्हें रिसाइकल किया जा सकता था। जिनकी केयर करके पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति को प्यार किया जा सकता था। हर व्यक्ति अपने दैनंदिन जीवन में पर्यावरण परवरिश के ये अभ्यास जरुर करे। अपने परिवेश में प्राकृतिक संसाधनों की पहचान करे! पहचान की यह प्रक्रिया आपको प्राकृतिक संसाधनों के प्रति अधिक जागरूक करना शुरू करेगी। इससे आप प्रकृति के प्रति संवेदनशीन बनेगें। धीरे-धीरे यह समझ बनना भी शुरू होगी कि किस तरह इन संसाधनों से उर्जा लेनी है, कैसे पानी का उपयोग करना है, कितनी, कैसे और कहां यात्रा करने जाना है और किस काम को कैसे करना है। पहचान करने में चिंतन का यह दृष्टिकोण हमें पर्यावरण-अनुकूलन के विकल्प चुनने में मददगार बनेगा। उपयोग में न होने पर लाइट, पंखे, कम्पयूटर, फोन, लैपटॉप, वाई-फाई जैसे उपकरणों को बंद करने के सामान्य कार्य से शुरू करके बिल्डिंग निर्माण तक के बड़े कार्यों में पर्यावरणीय सतर्कता रखे। संसाधन संरक्षण का ऐसा अभ्यास हमारे सहज स्वभाव का हिस्सा बनने लगेगा। शुरूआती स्तर पर जागरूकता इस दिशा में प्रभावी पहल की तरह दिख सकती हैं बस आपके शुरू करने की देर है। पर्यावरण अनुकूलित ऊजाओं में सौर ऊर्जा भारत जैसे देशों के लिए आर्थिक दृष्टि से बहुत व्यवहार्य है। वर्ष भर धूप की पर्याप्तता सहज रुप से उपलब्ध है। सौर ऊर्जा न केवल स्वच्छ और सस्ती है बल्कि इसका उपयोग पानी गर्म करने से लेकर भोजन पकाने, कार और ए.सी. चलाने तक किया जा सकता है। स्वच्छता हमारी जीवन शैली की रफतार और माइलेज को बढ़ाती है। स्वच्छता जीवन जीने के समग्र दृष्टिकोण का निर्धारण करती है। आधुनिक जीवन शैली में व्यक्तिगत स्वच्छता अहम् है। सुबह से शाम तक हम ढेरों कैमिकल्स यूज करते है, बॉडी वॉश से लेकर फेस स्क्रब और टूथपेस्ट तक में यह ध्यान रखे उसमें महीन कण कम से कम हो। ये माइक्रो-बीड्स ठोस प्लास्टिक के बहुत छोटे दाने होते हैं जो जलस्रोतों में मिलकर खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाते हैं और अंततः पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाते हैं। इसी तरह पेड़ धरती पर जीवन का आधार हैं। वृक्ष मात्र ऑक्सीजन के लिए नही बल्कि अन्य सभी प्राणियों के खाने, पीने, रहने और जीने का आधार आश्रय है। वृक्ष हमें फल, फूल देने से लेकर मिट्टी के कटाव को रोकने तक में अहम भूमिका निभाते हैं। हवा को साफ रखते हैं और तमाम वन्यजीवों को आश्रय देते हैं। वातावरण को ठंडा भी रखते और पर्यावरण की मददगार है। हमारी भोजन शैली जितनी शाकाहारी होगी उतना पर्यावरण का कम नुकसान होगा। हमारी जीवन शैली का हर हिस्सा हमारे कार्बन पदचिह्न को तय करता है। सब्जियाँ, अनाज, फल, फलियाँ कम पौष्टिक हो सकते हैं पर ये उत्सर्जन को कम करने में बहुत मददगार हैं। भोजन की बबार्दी को रोकना पर्यावरण संरक्षण में गुणात्मक रुप से सहयोगी हो सकता है। भोजन की बबार्दी के साथ समय, श्रम, ऊर्जा और प्राकतिक संसाधनों की बबार्दी सहित हवा, पानी, बिजली, बीज, उर्वरक, पूंजी भी ह्रास होता हैं। इसलिए हमारे जीवन में भोजन पाने का तीरका पर्यावरण पोषक भी हो सकता है और पर्यावरण विनाशक भी।

हम अपने दैनिक छदम जीवन स्तर को उच्च दिखाने में पेंट, अमोनिया, तेल, सफाई एजेंट, पेट्रल आदि की खपत बढ़ाते जाते है।

चांदी के दाम ऑल टाइम हाई फिर भी बढ़ रही है मांग; एक साल में जबरदस्त इजाफा

बीते कुछ महीनों में गर्मी की तरह ही चांदी ने भी सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। यह 92,873 हजार रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई और भारत में ऑलटाइम हाई का रिकॉर्ड बना दिया। माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में बुलियन बाजार में चांदी की इसी तरह से चांदी चलती रहेगी। वैसे बीते चार दशकों के दौरान इसके दाम 26 गुना से भी यादा बढ़ चुके हैं।गौरतलब है कि उद्योगों-खासकर, इलेक्ट्रिक कारों की बैटरियों, सोलर पावर के सोलर पैनल्स और 5-जी टेक्नोलॉजी में चांदी की खपत यादा हो रही है। इससे चांदी की सालाना मांग में सात से आठ फीसदी से यादा की वृद्धि हुई है। इस तरह मांग बढ़ने से इसकी कीमतें भी बढ़ रही हैं। मांग की तुलना में चांदी की खनन गतिविधियां लगभग स्थिर हैं, बल्कि इसमें आंशिक गिरावट भी आई है। 2015 में जहां चांदी का वैश्विक खनन 89.7 करोड़ आउंस (एक आउंस यानी 28.34 ग्राम के बराबर) हुआ था। वहीं, 2023 में यह गिरकर 82.4 करोड़ आउंस रह गया। सोने की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण अब कई लोग, खासकर माध्यम वर्ग आभूषणों के लिए चांदी की तरफ देख रहे हैं। वस्तुत: पिछले दो दशक में उद्योगों और प्रौद्योगिकी में चांदी की उपयोगिता बढ़ी है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की हालिया रिपोर्ट कहती है कि पिछले एक साल में सोलर पावर में इस्तेमाल होने वाले फोटोवोल्टेइक पैनल्स में निवेश एक साल पहले की तुलना में दोगुना होकर 80 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। फोटोवोल्टेइक पैनल्स में चांदी का काफी इस्तेमाल होता है। साल 2024 में ही चांदी की वैश्विक मांग में 1.2 अरब आउंस की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। लिहाजा, चांदी की कीमतों के भी लगातार ऊंचे होते चले जाने की संभावना है। दरअसल, चांदी दुनिया की सबसे बढ़िया सुचालक धातु है। इसलिए सोलर पैनल्स पर चांदी का पेस्ट किया जाता है। जब सूरज का प्रकाश उसके पैनल्स पर गिरता (स्ट्राइक) है, तब सिलिकॉन के इलेक्ट्रॉन मुक्त होते हैं और चांदी विद्युत को तुरंत गतिशील कर देती है। आज भी सिनेमा को सिल्वर स्क्रीन कहकर संबोधित किया जाता है। दरअसल सिनेमा की शुरुआत में फिल्में प्रोजेक्टर के जरिये दिखाई जाती थीं। इसके लिए जिस परदे पर तस्वीर प्रोजेक्ट की जानी होती थी, उसका चमकदार होना जरूरी था, ताकि परावर्तन (रिफ्लेक्शन) बढ़ने से तस्वीरों की गुणवत्ता बढ़ सके। परदे को यादा चमकदार बनाने के लिए तब स्क्रीन को मैटेलिक सिल्वर से कोट किया जाता था। उसी से यह शब्द उत्पन्न हुआ और आज भी अक्सर इसका इस्तेमाल किया जाता है। दरअसल, चांदी सबसे यादा सूर्य की किरणों को परावर्तित करने वाली धातु है। भारत में चांदी का 50.7 प्रतिशत इस्तेमाल उद्योगों में, 17.8 प्रतिशत आभूषणों में, 24.5 प्रतिशत कॉइन्स-बार्स निवेश में, 2.8 प्रतिशत फोटोग्राफी में और 4.2 प्रतिशत चांदी के बर्तनों में उपयोग किया जाता है।

बंगाल में हो क्या रहा है, कब चलेगा उनपर बुलडोजर जो महिला अस्मिता को तार-तार कर रहे ?

भारत के कई क्षेत्रीय दल समय-समय पर राजनीतिक कारणों से क्षेत्रीय अस्मिता का खेल खेलते रहे हैं। महाराष्ट्र से शुरू हुआ कट्टर अस्मिता का जयगान कई रायों में होता रहा है। इसे राजनीतिक रोग व रणनीति, दोनों कह सकते हैं।?रणनीति?इसलिए, क्योंकि क्षेत्रीय अस्मिता?जहरीला तत्व स्वतः नहीं पैदा करती। किसी राय के लोग अगर अपनी संस्कृति और परंपरा से जुड़े रहना चाहते हैं, तो यह अछी बात है। लेकिन भारत में किसी राय की सरकार यदि दूसरे राय के लोगों को बाहरी बताए, तो यह राष्ट्रीय अखंडता पर चोट ही है।

फिलहाल, एक बार फिर बंगाली अस्मिता चर्चा में है। हाल के लोकसभा चुनाव परिणाम के विश्लेषण से पता चला कि?तृणमूल कांग्रेस का शहरी वोटबैंक खिसक रहा है, जिससे दीदी चिंतित हैं। कोलकाता नगर निगम के कुल 144 वार्डों में 47 पर भाजपा को बढ़त मिली है।?पिछले नगर निगम चुनाव में 10 वार्डों?में ही जीत मिली थी। कोलकाता और आसपास के इलाकों में विधानसभा की 28 सीटें हैं। राय के 60 प्रतिशत नगर निगमों व पालिकाओं में भाजपा की साफ बढ़त दिखी है। बंगाल में ऐसे कुल 125 निकाय हैं। 2021 में भाजपा 69 निकायों में आगे थी।

उनका मानना है कि शहरों में बाहरी लोग बढ़ गए हैं, इसलिए उन्होंने 'हॉकर हटाओ' अभियान शुरू किया है। जबकि नवंबर, 1996 में वाममोर्चा सरकार के ऑपरेशन सनशाइन का हश्र वह देख चुकी हैं। उस समय उन्होंने खुद हॉकरों के पक्ष में फुटपाथ पर बैठकर आंदोलन किया था। असल में भ्रष्टाचार की वजह से शहरी वोटर ममता सरकार से नाराज हैं। मुख्यमंत्री ने अपने बयान में राय, खासकर कोलकाता व उपनगरों का जनसांख्यिकी संतुलन बिगड़ने पर चिंता जताई। उन्हें लगता है कि कुछ समय बाद शहरी क्षेत्रों में बांग्ला बोलने वाले अल्पमत में आ जाएंगे। उनके मुताबिक, पैसे लेकर हॉकरों को फुटपाथों पर जगह दी जा रही है। उन्होंने कई विधायकों, मेयरों, नगरपालिका अध्यक्षों और पार्षदों के अलावा पुलिस प्रशासन के एक बड़े हिस्से को हफ्तावसूली जैसे भ्रष्टाचार में लिप्त माना।

बताया जा रहा है कि पुलिस जैसे ही अपनी कार्रवाई के लिए कुछ संवेदनशील इलाकों की तरफ बढ़ी, तो दीदी ने ऑपरेशन रोक कर हॉकरों को एक महीने का समय दे दिया। सवाल उठता है कि 4-5 दिनों के अभियान में उजाड़े गए?हॉकरों को एक महीने

का समय क्यों नहीं दिया गया, जो इस मौसम में पुलों के नीचे या खुले में बाल-बचों को लेकर रह रहे हैं?

इस पर राजनीति भी हो रही है। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी का आरोप है कि सिर्फ?हिंदू हॉकरों को ही हटाया जा रहा है। माकपा नेता सुजन चक्रवर्ती ने कहा कि शत्रुघ्न सिन्हा, यूसुफ पठान व?कीर्ति आजाद जैसे बाहरी लोगों को अपनी पार्टी के टिकट पर संसद भेजने वाली ममता का बाहरी राग मौजूं नहीं है।

ममता को पता है कि कोलकाता ही नहीं, पूरे बंगाल का जनसांख्यिकी संतुलन किन समुदायों की घुसपैठ से बिगड़ रहा है। अगर उनका इशारा हिंदी भाषियों की ओर है, तो वह दौर अब सिर्फ लोकगीतों में ही दिखता है। अब तो नायिकाएं शायद यह गीत गाएंगी कि पूरब न जइयो सैंया चाकरी नहीं है। भ्रष्टाचार, बंद होते कारखानों व नया निवेश नहीं होने से पढ़े-लिखे बंगाली नौजवान रोजगार के लिए दूसरे रायों का रुख कर रहे हैं। कूचबिहार जिले के माथाभांगा में 25 जून को एम महिला?को नंगा कर इसलिए घुमाया गया कि वह भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चे का सदस्य थी। इसी तरह, उत्तर दिनाजपुर के चोपड़ा में शरिया अदालत ने एक युवक-युवती को सरेआम पीटने का फरमान सुनाया। विधायक हमीदुर्रहमान के करीबी ताजेमुल नाम के तृणमूल कार्यकर्ता ने दोनों को चौराहे पर पीटा। हमीदुर्रहमान तो पीड़िता को ही 'दुष्ट जानवर' कह रहे हैं। सवाल यह है कि ममता पुलिस, प्रशासन और अपने कैडरों की मिलीभगत पर कब अंकुश लगाएंगी? शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार उजागर होने पर लगा कि ममता इस विभाग को पटरी पर लाएंगी, पर हाल ही में माध्यमिक शिक्षा परिषद के मुखिया ने?बताया कि इस साल 41 हजार परीक्षार्थियों ने उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन का आवेदन किया, जिसमें से 12,468 छात्रों के खातों में अंक जोड़ने की गलतियां पाई गईं। मूल्यांकन के बाद चार छात्रों के रैंक बदल गए। कहीं यह कारनामा नौकरी खरीदने वाले मास्टर मोशाय ने तो नहीं किया है? इन पर कब बुलडोजर चलेगा?

सतना के विंध्य इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस में सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

डॉक्टर्स डे पर सतना के डॉक्टरों का किया सामूहिक स्वागत एवम सम्मान

उमेश कुशवाहा। सिटी चीफ। सतना, विंध्य इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस सतना के चेयरमैन श्री सुनील सेनानी जी की सकारात्मक सोच के परिणामस्वरूप सतना शहर में पहली बार डॉक्टर्स डे पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सतना के सभी डॉक्टर्स का भव्य सामूहिक अभिनंदन किया। गया। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सतना के अध्यक्ष डॉ राकेश अग्रवाल ने बताया कि सतना में विट्स जैसी किसी बड़ी संस्था द्वारा डॉक्टर्स का सम्मान करना समाज में एक मील का पत्थर साबित होगा और ऐसे आयोजन समाज एवम डॉक्टर्स में आपसी सामंजस्य स्थापित करेगा। विट्स के चेयरमैन श्री सुनील सेनानी ने अपने स्वागत उद्बोधन में सतना के डॉक्टर्स द्वारा किए गए योगदान की सराहना की साथ ही कहा सतना के डॉक्टर्स किसी भी प्रकार से बड़े शहरों से कम नहीं है। समारोह के विशिष्ठ अतिथि रीवा के वरिष्ठ डॉक्टर माननीय एच पी सिंह ने जीवन में पानी की महत्ता पर जानकारी दी और कहा कि बिना प्यास लगे पानी सदा पीते रहना चाहिए। सम्मान समारोह की मुख्य अतिथि रीवा माननीय डॉ ज्योति सिंह जी ने अपने उद्बोधन में मोबाइल फोन से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवम आईएमए सतना व विट्स के संयुक्त प्रयास से हुए इस आयोजन की तारीफ की। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना एवम राष्ट्र गीत से हुई। विट्स के स्टूडेंट्स द्वारा सामूहिक मनमोहक डांस किया गया।आईएमए की ओर से डॉ मनीष अग्रवाल ने गायन प्रस्तुत किया। आज के सम्मान समारोह में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के शीर्ष डॉ लालता प्रसाद खरे, डॉ के एन नायक, डॉ एस बी चमाडिया, डॉ बी एल यादव, डॉ एस के जैन, डॉ जी सी चतुर्वेदी, डॉ भारत वोरा, डॉ सी एस झा के किए गए योगदान को याद किया गया साथ ही परिजनों को सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इसी सम्मान श्रृंखला में डॉ राजेश जैन एवम आईएमए के सभी पास्ट प्रेसिडेंट डॉ डी के सिंह,डॉ माणिक गुप्ता, डॉ एन डी मंघनानी, डॉ ए के अग्रवाल, डॉ डी के तिवारी, डॉ एच के बावा, डॉ आशीष जैन, डॉ एस के माहेश्वरी , डॉ आशीष जैन, डॉ वी के गांधी, डॉ सुनील अग्रवाल, डा रजनीश जैसवाल, डॉ राकेश जैन, डॉ पी के श्रीवास्तव,एवम डॉ नवीन कालरा को स्मृति चिन्ह एवम साल देकर सम्मानित किया गया।समारोह जा संचालन संजना जी, डॉ सारिका कालरा एवम डॉ विजेता राजपूत ने व्यवस्थित रूप से किया। अंत में आईएमए प्रेसिडेंट डॉ राकेश अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया साथ ही डॉ आलोक खन्ना, डॉ विपिन दुबे , डॉ ललित गुप्ता,श्री पंकज शर्मा ,श्री प्रमोद पांडे ,श्रीमती निवेदिता मिश्रा के साथ साथ सभी आईएमए मेंबर्स एवम विट्स के सभी स्टाफ को सफल आयाजन हेतु आभार व्यक्त किया।

नए कानून और नियमों को लोगों तक पंहुचाने पुलिस विभाग द्वारा किया जनसंवाद

जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणजनों एवं स्कूली विद्यार्थियों को दी गई कानूनी जानकरियां

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ।
दमोह, जुलाई 2024 से नए कानून और न्याय संहिता को लागू कर दिया गया है। पुलिस मुख्यालय से प्राप्त दिशा निर्देशों के तहत दमोह पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के मार्गदर्शन में आज जिले के विभिन्न पुलिस थानों में पुलिस ने आमजनों के साथ जनसंवाद कर नए कानूनों की जानकारी दी, साथ ही स्कुलो में विद्यार्थियों के बीच पंहुचकर कानूनी जानकारियां दी। इसी क्रम में हटा अनुविभाग के मड़ियादो पुलिस थाना में थाना प्रभारी ब्रजेश पांडे ने जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों के साथ बैठकर सभी को नए नियमो और प्रक्रियाओ से अवगत कराया और सभी को जागरूक कर जानकारी देने की अपील, साथ ही स्कूल में सम्वाद किया। रजपुरा थाना प्रभारी धर्मेंद्र गुर्जर ने नए कानूनों और प्रक्रिया में संशोधन के बाद रजपुरा थाना में लोगो से संबाद कर कानूनों के संबंध में आवश्यक जानकारियां दी। नए कानूनो से अवगत कराया साथ ही हायर सेकेंडरी स्कूल रजपुरा, बरी और सादपुर के स्कूलो में विद्यार्थियों को कानूनी प्रक्रिया, महिला हेल्पलाइन सेवाओ सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की। इसी प्रकार गैसाबाद थाना में थाना प्रभारी विकास सिंह चौहान ने जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और लोगो की उपस्थिति में सभी को नए कानून और न्याय प्रणाली से अवगत कराया। लोगो को समझाइस दी कि अब नए कानूनों के प्रावधानों के तहत फरियादी सोशल मीडिया के माध्यम से भी पुलिस से जुड़ जायेगा, मेल, व्हाट्सप्प आदि पर प्राथमिकी रिपोर्ट, सूचना आदि का लाभ मिल सकेगा।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गए निर्देशों का हो रहा पालन

पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु हो रहा सीड बाल का निर्माण

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ ।
दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा दिये गए निर्देशों के तहत जिले में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद से जुड़े हुए स्वयंसेवी संगठन, सामाजिक संगठन, ग्राम विकास प्रसफुटन समितियों के सहयोग से ग्राम स्तर पर सीड बाल बनाने का कार्य किया जा रहा। सीड बाल निर्माण हेतु सर्वप्रथम बीजों को संकलित करने का कार्य समिति और स्कूल के छात्रों के सहयोग से किया जा रहा। बीजों को संकलित करने के बाद सीडबाल निर्माण हेतु मिट्टी तैयार की जाती तैयार मिट्टी में बीजो को रखते हुए गोल बाल का निर्माण किया जाता है। निर्मित बाल को दो-तीन दिन किसी छायादार स्थान पर सूखने हेतु रखा जाता है। सूख जाने के पश्चात चिन्हित उपयुक्त स्थान पर इन सीड बाल को बिखरने का काम संबंधित संस्थाओं के माध्यम से किया जाएगा।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने लोगो से कहा

पौधा लगाये और फोटोग्राफ्स सोशल मीडिया पर शेयर करें

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ।
दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले के नागरिकों से कहा देश के प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी ने आवाहन किया है कि इस बार पौधारोपण की थीम एक वृक्ष मां के नाम होगी, इस पर जिला प्रशासन ने काफी तैयारी की है और जिले में 11 लाख से अधिक पौधारोपण का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। पौधारोपण में इस तरह के पौधे होंगे जिन्हें पर्याप्त संरक्षित किया जाएगा और सुरक्षित रखा जाएगा।
कलेक्टर ने सभी शासकीय और प्राइवेट स्कूलों से आग्रह किया है कि वह अपने स्कूल के विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें, वह अपने घरों में और स्कूल परिसर में अपने परिजनों के साथ पौधा लगाए। सभी स्कूलों में इस बार पेरेन्ट्स टीचर मीटिंग (पी.टी.एम.) होने वाली है, पेरेन्ट्स टीचर मीटिंग में अभिभावक आते ही हैं, उन अभिभावकों के साथ और बच्चों के साथ मिलकर पौधारोपण किया जाए। इसी प्रकार सभी सरकारी संस्थाओं, पंचायत, स्कूलों, छात्रावासों, मुक्तिधाम और विभिन्न परिसरों के अंदर वृक्षारोपण किया जायेगा। वन विभाग के वन परिसरों में जो खाली पड़े है, बड़े पैमाने पर पौधारोपण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। कलेक्टर कोचर ने कहा धरती को बचाने के लिए, टेंपरेचर को कम करने के लिए जलवायु परिवर्तन को प्रभाव से बचने के लिए बहुत जरूरी है कि सभी इस जिम्मेदारी को समझें और पौधारोपण करें। यदि एक पौधा भी लगाएंगे तो वह बहुत बड़ी बात है, यह बहुत बड़ा योगदान है, प्रकृति को बचाने के लिए एक पौधा लगाएं और उसको संरक्षित करें। जब भी पौधा लगाए तो उसके फोटोग्राफ्स सोशल मीडिया पर शेयर करें, वह फोटोग्राफ्स उच्च स्तर तक भेजेंगे। इसके साथ ही एक और अभियान शुरू किया है, पौधारोपण के समानांतर सीड वॉल बनाने का, हर स्कूलों में बच्चे बीज इकट्ठे कर रहे हैं और इन बीजों से सीड बाल बनाने का काम सामाजिक संगठन भी कर रहे हैं, छोटे-छोटे सामाजिक सेवा संगठन और शासकीय अधिकारी-कर्मचारी, सभी लोग इस अभियान में जुड़ रहे हैं।
उन्होंने सभी से आग्रह करते हुए कहा सीड वॉल बनाने के इस अभियान में जिला प्रशासन का सहयोग करें और जब कहीं पर भी जाते हैं, मैदानों में या पहाड़ों पर या जहां पर भी उचित समझे सीड बॉल को फेंक दें, वर्ष के पानी से वह सीट वॉल गल जाएगा और वहां पर पौधा अंकुरित हो जाएगा।

झरौली ग्राम की अति प्राचीन मूर्ति पहुंची रानी दमयंती पुरातत्व संग्रहालय

कलेक्टर के निर्देश पर पुरातत्व से संबंधित मूर्तियां और अवशेषों को संरक्षित करने का कार्य जारी

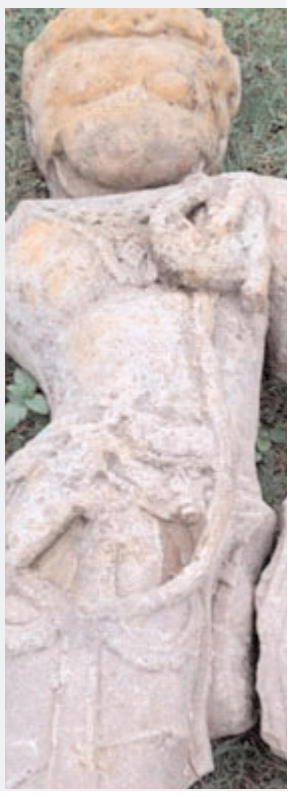

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ।
दमोह, जिले के बनवार क्षेत्र के ग्राम झरौली से एक अति प्राचीन पाषाण प्रतिमा लगभग 6 अवशेषों में दमोह भेजी गई। राजस्व विभाग की टीम और स्थानीय सरपंच के द्वारा मूर्ति के 6 भाग रानी दुर्गावती पुरातत्व संग्रहालय भेजे गए। ज्ञात हो कि कल कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ग्राम झरौली के भ्रमण पर गये थे, यहां के ग्रामीणजनों ने मूर्ति संरक्षण की बात कही थी। रानी दमयंती पुरातत्व संग्रहालय के डॉ सुरेंद्र चौरसिया ने बताया यह मूर्ति प्राचीन है। प्रथम दृष्टया यह वराह की प्रतिमा प्रतीत हो रही हैं। मूर्ति के संबंध में अभी और तथ्य तलाशे जाएंगे, इसके बाद मूर्ति कौन सी है यह जानकारी प्राप्त होगी।

कलेक्टर ने सफाई अभियान में भाग लेने वाले सभी नागरिकों का किया आभार व्यक्त

अगला कार्यक्रम वाल्मीकि समाज के मुक्तिधाम हटा नाका में होगा

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ ।दमोह, अभी तक चार जगह सफाई अभियान चलाया गया है। इसकी शुरुआत फुटेरा तालाब से की गई थी, फुटेरा तालाब के बाद बेलाताल, बेलाताल के बाद पुरैना तालाब और यह आज हमारा लगातार चौथा कार्यक्रम जटाशंकर मुक्तिधाम में हुआ है। सुबह 7 बजे का समय था, लेकिन बहुत से लोग सुबह 6:30 बजे ही आ गए थे और उन्होंने सफाई शुरू कर दी थी। आज शमशान घाट के परिसर और आसपास की जगह को साफ किया गया है, झाड़ियां हटाई गई है और पूरी साफ-सफाई की गई है। यह बात कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जटाशंकर मुक्तिधाम में सफाई अभियान के दौरान कही। कलेक्टर ने कहा अगला कार्यक्रम वाल्मीकि समाज के मुक्तिधाम हटा नाका में होगा और उसमें लगभग 25 से 30 पौधों का पौधारोपण भी साथ में किया जाएगा। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुए कहा अगले रविवार को भी सुबह 7 बजे से 9 बजे तक इस कार्यक्रम में सभी सम्मिलित होकर अपनी सहभागिता निभाएं। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा आज के कार्यक्रम में दो छोटे बच्चे भी सम्मिलित हुए, उन्होंने भी आकर श्रमदान किया है, रविवार की सुबह थी स्कूल नहीं था यह बच्चे सो सकते थे, लेकिन इन्होंने घर पर सोने की बजाय यहां पर आना अच्छा समझा और यहां पर आकर काम किया। इस मौके पर कलेक्टर श्री कोचर ने इनका और इनके परिजनों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा परिजन इन्हें लेकर के आए और इन्हें श्रम का महत्व समझाया सभी का बहुत आभार, जो यहां पर लगातार आते हैं, कुछ लोग बिना आमंत्रण के स्वप्रेरणा से आते हैं, वह शहर के प्रति अपनी जागरूकता का प्रदर्शन करते हैं। तीन पाषर्दगण भी मौजूद है, यहां के पार्षद लगातार कार्यक्रमों में आ रहे हैं, तीनों पार्षद स्वप्रेरणा से आए हैं, उनके प्रति भी खुशी व्यक्त की । उन्होंने कहा उनके आने से इस कार्यक्रम को नई ऊर्जा मिली है। सभी पार्षदगणों से भी आग्रह है कि जिन-जिन के क्षेत्र है, वह वहां पर जरूर आए और जब यहां आते हैं तो कई सारे विषय पर चर्चा हो जाती है, जैसे की आज चर्चा हुई थी कि यहां के लिए सांसद निधि से 18 लाख रुपए स्वीकृत हुए है, इसके लिए मैंने सीएमओ नगर पालिका से कहा है कि जितना जल्दी हो सके टेंडर कर के यहां के सौंदर्यीकरण का काम शुरू किया जाये। सिविल वार्ड 1 के पार्षद रमेश राठौर ने बताया कलेक्टर सर द्वारा यहां पर सफाई अभियान चलाया गया है, यह बहुत सराहनीय काम है, मैं कलेक्टर सर को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। इस वार्ड के पार्षद रघु भाई के लिए, पार्षद हेमराज और जिन्होंने भी यहां आकर अपना सहयोग किया है मैं उन सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा मैं चाहता हूं कि हर रविवार को सभी लोग आकर ऐसे कार्यक्रमों में सहयोग करें जिससे कि हमारे दमोह को स्वच्छ और सुंदर बनाया जाए। जैसा कि कलेक्टर सर ने बताया कि अगला कार्यक्रम वाल्मीकि समाज के मुक्तिधाम में रखा गया है, जैसे यहां के आसपास के पार्षद कार्यक्रम में शामिल हुए हैं वैसे ही वहां के आसपास के पार्षद वहां पर आकर ऐसा ही सहयोग करें। बजरिया नंबर 5 चैनपुरा के पार्षद हेमराज ने कहा जटाशंकर मुक्ति धाम में कलेक्टर सर ने आकर यह जो श्रमदान की रूपरेखा बनाई है, यह बहुत अच्छा कार्यक्रम रखा गया। हर जगह जो सफाई अभियान चल रहा है इससे बहुत अच्छा माहौल बन रहा है, लोगों में एक जागृति पैदा हो रही है कि हमें सफाई अभियान चलाना चाहिए। उन्होंने बताया 10 से 11 वार्डो का यह मुक्तिधाम है, यहां पर सफाई अभियान में सभी ने सहयोग किया इसके लिए कलेक्टर सर और सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। बजरिया नंबर 6 के पार्षद रघु श्रीवास्तव ने बताया आज के सफाई अभियान कार्यक्रम में कलेक्टर सर के द्वारा मेरे वार्ड में स्थित जटाशंकर मुक्तिधाम में श्रम कार्य किया गया, यह बड़ा अच्छा हुआ कि इससे सफाई भी बहुत हो गई और लोगों में जागरूकता भी आई है। उन्होंने बताया इस मुक्तिधाम के लिए सांसद निधि से जो राशि पास कराई है उसके लिए कलेक्टर सर ने सीएमओ नगर पालिका से बोला है की जल्दी से जल्दी इसका काम शुरू किया जाए, ताकि यह सुंदर मुक्तिधाम बन जाए जिसमें बजरिया 5, सिविल 1, बजरिया नंबर 6, सिविल वार्ड और अन्य चार-पांच वार्ड के लोग यहां पर आते हैं, उनके लिए अच्छी व्यवस्था हो जाएगी। उन्होंने बताया आज बड़ा अच्छा हुआ, दिन की शुरुआत सुबह से सफाई अभियान से हुई। इस सफाई अभियान के लिए उन्होंने कलेक्टर सर, नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी, पार्षदों और वार्ड के लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया।मोंटी रैकवार ने कहा कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के कुशल मार्गदर्शन में सफाई अभियान के चौथे सप्ताह में जटाशंकर मुक्तिधाम में श्रमदान किया गया, जिसमें नगर पालिका, जन अभियान परिषद, स्वयंसेवी संस्था, जनसंपर्क विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और वार्ड के पार्षदों के द्वारा श्रमदान किया गया है। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुए कहा अपने शहर को स्वच्छ और साफ बनाना है तो अपने घर से बाहर आना होगा, सप्ताह में केवल आपसे 2 घंटे की आवश्यकता है, 2 घंटे मेहनत करेंगे तो मैं दावे के साथ कहता हूं कि दमोह साफ सफाई में प्रथम होगा।बालक अर्जुन प्रताप सिंह ने बताया यहां पर काम करके बहुत अच्छा लगा और बहुत मजा भी आया।

नए कानून के तहत पहली एफआईआर पड़ाव थाने में मारपीट की दर्ज की गई

डीआईजी ने खुद फरियादी को एफआईआर की कॉपी सौपी

अरविंद सिंह पवैया । सिटी चीफ ।

ग्वालियर, देशभर में1 जुलाई से नया कानून लागू हो गया है। अब (इंडियन पीनल कोड) का नाम बदल कर भारतीय न्याय संहिता कर दिया गया है। इसके तहत जहां कई अपराध के लिए नई धाराएं हो गई हैं। वहीं कुछ धाराओं के नियम भी बदल गए हैं। पहले दिन प्रदेशभर में सभी थाना स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जैसे लोगों को पता लग सके कि नए कानून में उनके लिए क्या नए प्रावधान है और कैसे वे इनका लाभ उठा सकते हैं। ग्वालियर के पढ़ाव थाने में नए कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत पहली

एफआईआर मारपीट के मामले में दर्ज की गई। इस प्रकार की घटना होने पर पहले आईपीसी की धारा 294 के तहत मामला दर्ज होता था। पड़ाव थाने में पहली एफआईआर दर्ज होते समय ग्वालियर रेंज की डीआईजी कृष्णा वेणु देशावतु भी मौजूद रही। नए कानून के पहली एफआईआर ग्वालियर के किलागेट इलाके के रहने वाले अंशु पुत्र राजू शर्मा की शिकायत पर हुई, उसने बताया कि वह अपने दोस्त को जीवाजी विश्वविद्यालय में पेपर करने के लिए ले जा रहा था तभी रास्ते में दो युवकों ने कब्रिस्तान के पास रोककर उसके साथ मारपीट करते हुए गाली गलौज की है। फरियादी अंशु शर्मा की शिकायत पर मामला दर्ज होने के बाद डीआईजी ने खुद उन्हें स्नढ्ढक्र की कॉपी सौपी । डीआईजी कृष्णा वेणु देशावतु ने बताया कि नए कानून लागू होने के पहले दिन प्रदेशभर में सभी थाना स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जैसे लोगों को पता लग सके कि नए कानून में उनके लिए क्या नए प्रावधान है और कैसे वे इनका लाभ उठा सकते हैं। तो वही नए कानून के तहत पहली एफआईआर दर्ज होने पर फरियादी भी खुश नजर आया और पुलिस को धन्यवाद दिया।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने वाचन कर नए कानूनों का किया स्वागत

नए कानून भारतीय नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और न्याय प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं- श्रीमती रुचिका चौहान

अरविंद सिंह पवैया । सिटी चीफ ।

ग्वालियर: समूचे देश और प्रदेश के साथ ग्वालियर जिले के लिए भी एक जुलाई का दिन ऐतिहासिक बन गया है। भारतीय नागरिकों को संविधान में दिए गए सभी अधिकारों की रक्षा और उन्हें न्याय दिलाने के लिए तीन नए कानून इस दिन से ग्वालियर जिले में भी लागू हो गए हैं। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने नए कानूनों के प्रमुख बिंदुओं का वाचन कर ग्वालियर जिले में इन कानूनों का स्वागत किया। जिन पुराने अधिनियमों में बदलाव किया गया है, उनमें भारतीय दंड संहिता 1860, दंड प्रक्रिया संहिता (1898), 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 शामिल हैं। भारतीय दंड संहिता 1860 के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता

विधेयक 2023 को लागू किया गया है। इसी तरह दंड प्रक्रिया संहिता 1898 को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक 2023 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 के स्थान पर भारतीय साक्ष्य विधेयक 2023 लागू किया गया है। तीनों नए कानून एक जुलाई से प्रभावशील हो गए हैं। इस अवसर पर श्रीमती चौहान ने कहा कि ये नए कानून भारतीय नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और न्याय प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उनका मानना है कि इन नए कानूनों से न्याय प्रणाली में सुधार होगा और नागरिकों को तेजी से और सटीक न्याय मिलेगा।

1 जुलाई से बंद हुए मध्यप्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व

अब 1 अक्टूबर को खुलेंगे

प्रदीप चौधरी । सिटी चीफ । भोपाल, मध्यप्रदेश के छह टाइगर रिजर्व में बांधवगढ़, कान्हा, पेंच, सतपुड़ा, पन्ना और संजय धुबरी को 1 जुलाई से पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है।हालांकि कुछ टाइगर रिजर्व के बफर जोन में टाइगर सफारी जारी रहेगी। अब नेशनल पार्क या टाइगर रिजर्व के कोर जोन में टूरिस्ट नहीं जा सकेंगे। नेशनल पार्कों और टाइगर रिजर्व में तीन महीने तक पर्यटकों के लिए यह पाबंदी लागू रहेगी।

भीम आर्मी जय भीम के पदाधिकारियों ने जमीयत उलमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरशद मदनी से मुलाकात की

अनुसूचित जाति और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने को लेकर हुई चर्चा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर । देवबंद, भीम आर्मी (जय भीम) के पदाधिकारियों ने आज जमीयत उलमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना सैयद अरशद मदनी से मुलाकात की। इस दौरान उनके बीच अनुसूचित जाति और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने को लेकर चर्चा हुई। भीम आर्मी (जय भीम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत सिंह नौटियाल के नेतृत्व में पदाधिकारी देवबंद नगर के मोहल्ला खानकाह स्थित आवास पर पहुंचे और मौलाना अरशद मदनी से मुलाकात की। मंजीत नौटियाल ने बताया कि मौलाना से शिष्टाचार मुलाकात हुई और देश में अमन, शांति, आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने के साथ ही दलित, मुस्लिम और पिछड़े अल्पसंख्यक आदिवासियों को उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करने पर चर्चा हुई है। इस दौरान मौलाना अरशद मदनी ने ने मंजीत सिंह द्वारा किए जा रहे संघर्ष की प्रशंसा की। इस दौरान संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

शाजापुर के बी.के. एस. एन. गवर्नमेंट कॉलेज में तीन दिवसीय दीक्षारंभ का हुआ आरंभ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के आदेश और आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्य प्रदेश के निर्देश अनुसार नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए हुआ आयोजन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बी.के. एस. एन. गवर्नमेंट कॉलेज, शाजापुर में आज विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के आदेश और आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्य प्रदेश के निर्देश अनुसार नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। महाविद्यालय परिवार ने पुष्प वर्षा कर विद्यार्थियों का स्वागत परिसर में किया।परिसर भ्रमण उपरांत विद्यार्थियों को सभा कक्ष में एकत्रित किया गया,जहां जनभागीदारी अध्यक्ष श्री विपुल कसेरा जी का स्वागत पुष्पहार से प्राचार्य डॉ .बी. एस. विभूति और नव प्रवेशित छात्र एवं छात्रा ने किया.डॉ.दिनेश डहारे ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति,2020 से विद्यार्थियों को अवगत कराया.सभा को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए जनभागीदारी अध्यक्ष श्री विपुल कसेरा जी ने विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि वे महाविद्यालय में अध्ययन अनुशासित होकर करेगे और महाविद्यालय का नाम रोशन करेगे.उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री और माननीय मुख्यमंत्री की बातों को दुहराते हुए मार्मिक अपील की कि सभी अपने मां,स्वजन की याद में एक - एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल भी करे. उन्होंने कॉलेज ड्रेस कोड में आने को अपरिहार्य बताया. प्राचार्य डॉ. विभूति ने विद्यार्थियों से निर्भीक होकर अपनी बात रखने की बात की. विद्यार्थी अनुशासित रहकर पढ़े और महाविद्यालय की गतिविधियों में भाग ले और अपनी रुचि अनुसार अपना व्यक्तित्व निखारे,उन्हें वैश्विक वर्कफोर्स का हिस्सा बनना है.कैंपस वे संयमित और अनुशासित रहे. कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ. वी.पी. मीना ने विद्यार्थियों को अगले दो दिन होनेवाली गतिविधियों की जानकारी दी तथा निरंतर महाविद्यालय में उपस्थित होने को कहा. कार्यक्रम के अंत में श्री कसेरा ने महाविद्यालय स्टाफ और एन.एन. सी.एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के साथ मिलकर पौधारोपण अभियान की शुरुआत की।

नए कानून को लेकर कटनी के एन के जे थाने में जागरूक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नए कानून को लेकर जो प्रश्न थे उनके जवाब भी दिए

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, देश में नए कानून अमल में आ चुका हैं। इन कानूनों को बेहतर तरीके से लागू करने के लिए कटनी जिला सहित मध्य प्रदेश पूरी तरह पहले से ही तैयार था। कटनी के एन के जे थाने में सोमवार को थाना प्रभारी नीरज दुबे ने थाने में जागरूक कार्यक्रम रख इस नए कानून एस अवगत कराया और लोगो के मन में। इस नए कानून को लेकर जो प्रश्न थे उनके जवाब भी दिए। नए कानून को लेकर थाने में होने वाले जागरूक कार्यक्रम के पहले एन के जे थाना प्रभारी नीरज दुबे ने अपने पुलिस स्टाप और इलाके के लोगो के साथ वृक्षारोपण करते हुए लोगों को यह संदेश दिया कि हर साल लोगों को अपने आसपास व घरों पर वृक्षारोपण करना बहुत जरूरी है। एन के जे थाना प्रभारी नीरज दुबे ने बताया की इस नए कानूनों को अमल में लाने और लागू करने के लिए पुलिस बल को सबसे ज्यादा सक्षम बनाने की जरूरत है। यही वजह है कि पुलिस बल और विवेचकों को इसके लिए तैयार किया गया है। इस दौरान इन नए कानूनों के बारे में पुलिस बल और विवेचकों को पहले प्रशिक्षित किया गया है। राज्य की पुलिस प्रशिक्षण शाखा ने मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया है और इनके माध्यम से पुलिस मुख्यालय से लेकर थानों और चौकियों तक के कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी गई। नए कानूनों से लोगों को अवगत कराने और उनमें जागरूकता लाने के मकसद से कार्यशालाएं हुईं। सोमवार यानी 1 जुलाई को सभी थानों में विशेष कार्यक्रम हुए और आमजन को इस नए कानून से अवगत कराया गया।

ठा. कृपाल सिंह मैमोरियल डिग्री कालेज रणखंडी में कार्यक्रम आयोजित

शासन की ओर से आए टैबलेट का वितरण छात्र-छात्राओं को किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, ठा. कृपाल सिंह मैमोरियल डिग्री कालेज रणखंडी में कार्यक्रम आयोजित कर शासन की ओर से आए टैबलेट का वितरण छात्र- छात्राओं को किया गया। टैबलेट पाकार विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

कार्यक्रम में टीपीएसएम इंटर कालेज के अध्यक्ष ठा. जगत सिंह ने छात्रों को टैबलेट का प्रयोग शैक्षणिक कार्यों में करने का आह्वान किया। प्रबंधक सूबे सिंह व प्राचार्य डा. अनिल कुमार ने प्रदेश सरकार की स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना को शानदार बताया और कहा कि इस योजना के तहत टैबलेट देकर विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान से जोड़ा जा रहा है। इस दौरान अतिथियों ने पीजी पाठ्यक्रम के 16 छात्र-छात्राओं को टैबलेट का वितरण किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डा. अमरदीप सिंह, प्रधानाचार्य संदीप पुंडीर, सतीश कुमार, नत्थू सिंह, आदेश कुमार, डा. शीबा परवीन, डा. वर्तिका, सोनम, भारती, ज्ञानेंद्र, संजीव, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

सहारनपुर में इनामी खनन माफिया हाजी इकबाल के खिलाफ नोटिस जारी

एक लाख का इनामी खनन माफिया इकबाल 30 दिन में कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ तो होगी कुर्की

गौरव सिंघल | सिटी चीफ | सहारनपुर, एमपी-एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश मोहित शर्मा ने पूर्व बसपा एमएलसी और एक लाख के इनामी खनन माफिया हाजी इकबाल के खिलाफ नोटिस जारी कर कहा है कि पोक्सो एक्ट, दुष्कर्म और मारपीट के मामले में वह तीस दिन के भीतर कोर्ट में पेश नहीं होते है तो उनकी संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की जाएगी। सरकारी वकील गुलाब सिंह ने यह जानकारी दी।

छत्तीसगढ़ के रायपुर में भीड़ द्वारा मारे गए लखनौती के दो भाईयों के घर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल उसके परिवार से मिला

परिवार को सांत्वना देते हुए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बोले सरकार को पीड़ित परिवार को एक-एक करोड़ का मुआवजा देना चाहिए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर । लखनौती, छत्तीसगढ़ के रायपुर में भीड़ द्वारा मारे गए लखनौती के दो भाईयों के घर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल उसके परिवार से मिला। परिवार को सांत्वना देते हुए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बोले कि सरकार को पीड़ित परिवार एक-एक करोड़ का मुआवजा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार युवाओं भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। एक तरफ मॉब लिंचिंग की घटनाएं हो रही हैं तो दूसरी तरफ पेपर लीक हो रहे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, सांसद इमरान मसूद ने प्रतिनिधि मंडल के साथ गांव लखनौती में मृतक चांद और उसके चचेरे भाई सद्दाम के परिवार से मिलकर सांत्वना दी। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पार्टी की ओर से पीड़ित परिवारों की हर संभव मदद की जाएगी। सरकार पीड़ित परिवार के एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी दे। एक-एक करोड़ रुपये मुआवजा दिया जाए। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए अजय राय ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। पेपर लीक होने से छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है। लोकसभा चुनाव में युवाओं ने भाजपा को सबक सिखाया है। आने वाले समय में देश की जनता भाजपा सरकार को अच्छी तरह सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को युवाओं और देश के भविष्य की चिंता है। सांसद इमरान मसूद ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार इतनी निर्दयी है कि मृतकों के शवों को लाने के लिए वाहन भी उपलब्ध नहीं कराया। प्रतिनिधि मंडल में विधायक वीरेंद्र चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष विदित चौधरी, महासचिव अनिल यादव, अहमद हमीद, सचिव देवरंजन, जिलाध्यक्ष संदीप राणा, महानगर अध्यक्ष वरुण शर्मा, नोमान मसूद, संदीप चौधरी, हमजा मसूद सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान सुरक्षा को लेकर एसडीएम संगीता राघव, तहसीलदार जसमिंद्र सिंह व सीओ शशि प्रकाश शर्मा सहित पुलिस फोर्स मौजूद रही।

कटनी में बजरंग दाल ने निकाला विशाल जलूस

सीमा वर्ती क्षेत्रों में मवेशी तस्करी का विरोध करते हुए जोरदार नारेबाजी कर प्रदर्शन किया

सुनील यादव । सिटी चीफ ।

कटनी, कटनी जिले के बजरंग दल के सैकडो लोगो ने शहर में विशाल जलूस निकाल सुभाष चौक पर जोरदार नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। ये सभी कटनी जिले के सीमा वर्ती क्षेत्रों में मवेशी तस्करी का विरोध कर रहे थे।

प्रदर्शन कर रहे बजरंगियों ने आरोप लगाते हुए बताया की कटनी जिले के सीमा वर्ती क्षेत्रों में मवेशी तस्करी चरम सीमा पर है जिले के अन्दर चल रहे अवैध मवेशियों की तस्करी के केन्द्र बने हुए है। जिले में रीठी तहसील अन्तर्गत बड़ागाँव, बाकल व ढीमरखेड़ा तहसील के गनियारी ग्राम सहित ये तीनो बाजार मवेशी तस्करी केन्द्र बने हुए है। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के दलालो के द्वारा भारी मात्रा में इन तीन स्थानो में भारी संख्या में एकत्र कर शहर के अलग अलग सीमावर्ती क्षेत्रों के तस्करो के द्वारा मवेसियो को कत्ल खानो

तक ले जाने का काम किया जाता है। पूर्व में भी संगठन के द्वारा पूर्व में भी ये जानकारी विस्तृत शासन की दी गई है। जिस पर आज तक किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नही की गई है। जिसमें मवेशी तस्करी के होसले बुलन्द है और लगातार मवेशी तस्करी में सक्रीय है। इस सभी का विरोध करते हुए बजरंगियों ने आज विशाल जलूस निकल सुभाष चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया और जिला अधिकारियों को ज्ञापन देते हुए इन सभी पर रोक लगाने की मांग की है।

नये कानून को पुलिस अधीक्षक ने कहा

नये कानून का महिलाओं बच्चों सहित आमजन को मिलेगा लाभ

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।

मैहर, देश मे आज से नए कानून के क्रियान्वयन को लेकर आज जिला मैहर कोतवाली मैहर में कार्यशाला का आयोजन किया गया इस दौरान जिले की प्रशासनिक मुखिया कलेक्टर मैहर,पुलिस अधीक्षक मैहर,सम्माननीय विद्यवान न्यायधीश,एसडीएम मैहर,कानून विद गणेश पांडेय नगर निरीक्षक मैहर ,शहर के गणमान्य नागरिक,छात्र छात्राएं,पुलिस बल पत्रकार साथी आदि उपस्थित रहे। आयोजन के दौरान सभी विद्वानों ने नए कानून की जानकारी उपस्थित जनों को प्रदान की। इसी दौरान पुलिस अधीक्षक मैहर ने अपने उद्बोधन के दौरान कहा कि नया कानून समाज और देश को नई दिशा प्रदान करने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि कानून का परिवर्तन हमारी महिलाओं संबंधी समस्याओं में बच्चों से

संबंधित समस्याओं में उन्हें सुविधा प्रदान करेगा। इन सभी को न्याय में होने वाली परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। अब ये किसी भी मामले में अपनी लड़ाई आसानी कर सुगम तरीके से लड़ने में सक्षम होंगे। नए कानून में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की महत्वता आमजन के लिए फायदेमंद साबित होगी।

पुलिस अधीक्षक मैहर श्री अग्रवाल ने कहा कि ऐसे आयोजन बार बार किये जाकर पोस्टर बैनर आदि के माध्यम से आमजन को नए कानून के प्रति जागरूक किया जाता रहेगा जिससे लोग अपने अधिकारों के प्रति सजग होकर समाज को जागरूक बनाने का कार्य करते रहे।

इंदिरा गांधी शासकीय कन्या महाविधालय में राजनीतिक धमक

जाति को आधार बनाकर महिला प्राध्यापक को दी जाती है यातना!

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।

सतना, वैसे तो विद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षा के मंदिर माने गए हैं जहाँ पर किसी भी प्रकार के भेदभाव करने की कोई गुंजाइश नही होती,जहाँ समानता के साथ सबको शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार होता है लेकिन यदि आपको यह बताया जाये की सतना में एक ऐसा भी शिक्षा का मंदिर हैं जहाँ छात्रों के बजाय शिक्षकों के साथ जातिगत भेदभाव के साथ यातना की जाती है तो आपको आश्चर्य नही होना चाहिए।हम बात कर रहे है शहर के मध्य में स्थित इंदिरा गांधी शासकीय कन्या स्नाकोत्तर महाविद्यालय की जहाँ एक महिला प्राध्यापक के द्वारा हरिजन थाना एवं पुलिस अधीक्षक के समक्ष शिकायती आवेदन प्रस्तुत किया गया है और आरोप लगाया गया है कि उनके ही साथ पढ़ाने वाली महिला प्राध्यापक आभा गोयल के द्वारा उनकी जाति के

ऊपर अनर्गल टिप्पड़ी की जाती है और उन्हें मानसिक यातना देने का प्रायष किया जाता है।

दिनांक 27 जून 2023 के शिकायती आवेदन में महिला प्राध्यापक ने पुलिस अधीक्षक को यह भी बताया कि ऐसा दुर्व्यवहार सिर्फ उनके अकेले के साथ नही किया जाता अपितु जनभागीदारी के समस्त प्राध्यापकों के साथ किया जाता है। महिला ने महाविद्यालय के प्राचार्य अंजिनी पाण्डेय के ऊपर भी आरोप लगाया कि प्राचार्य भी अपनी तानाशाही में उतारू हैं और अपने बड़े लोगो के संपर्क में होने का रौब बताते हैं साथ ही महिला ने आरोप लगाया कि प्राचार्य कहते है कि उनके लिए कलेक्टर भी कुर्षी छोड़ देता है। महिला प्राध्यापक का आरोप है कि पुलिस अधीक्षक के समक्ष आने के पूर्व वह महिला थाना सतना,हरिजन थाना सतना एवं सिटी कोतवाली में भी अपनी शिकायत लेकर गयी थी लेकिन उनकी शिकायत की कहि भी सुनवाई नही हुई।

आज थाना अमरपाटन मे लागू हुये नवीन कानून को लेकर आयोजित किया गया जागरुकता कार्यक्रम

श्रीमान पुलिस अधीक्षक मैहर श्री सुधीर अग्रवाल के नेतृत्व मे हुआ आयोजन

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।

सतना, श्रीमान् पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय भोपाल (म0प्र0) के निर्देशन मे लागू हुये नवीन आपराधिक कानून को लेकर आमजन मानस को जागरुक करने हेतु कार्यक्रम आयोजित करने के अनुक्रम मे श्रीमान् पुलिस अधीक्षक मैहर श्री सुधीर अग्रवाल के नेतृत्व मे थाना परिसर मे आयोजित जागरुकता कार्यक्रम मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री मुकेश कुमार वैश्य, स्छह(क) अमरपाटन श्री शिव कुमार सिंह, श्री राघवेन्द्र सिंह चौहान अपर सत्र न्यायाधीश अमरपाटन , श्री विनोद कुमार वर्मा छ्रस्त्रष्ट अमरपाटन , श्री बृजेश कुमार

राजपूत छ्रस्त्रष्ट अमरपाटन , श्रीमती आरती यादव स्छरू अमरपाटन, श्री रामदेव साकेत तहसीलदार अमरपाटन की गरिमामयी उपस्थिति मे थाना प्रभारी अमरपाटन श्री के0पी0 त्रिपाठी व थाना स्टाफ के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम मे अमरपाटन क्षेत्र के प्रबुद्धजन गणमान्य नागरिक, अधिवक्तागण तथा पत्रकार बंधु उपस्थित रहे । कार्यक्रम के दौरान नवीन कानून के बारे मे चर्चा की गई एवं आमजन मानस के पूछे गये प्रश्नो का विधिनुरुप समझाया गया तथा फरियादी के हक के बारे मे भी बताया गया । नये कानून मे हुये बदलाव को भी बताया गया । अंत मे राष्ट्रगान गायन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

सतना के श्रीरामाकृष्णा कॉलेज में मनाया गया सीए व डॉक्टर्स डे सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।

सतना, श्रीरामाकृष्णा कॉलेज आफ कॉमर्स एण्ड साइंस भरहुत नगर में सीए व डॉक्टर्स डे पर आज सम्मान समारोह का कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमे अतिथियों सहित महाविद्यालय में बीकॉम 2019 बैच की पास सीए गुंजन तोलवानी का एवं एमकॉम की छात्रा सीएस दिक्षा मिश्रा का सम्मान भी किया गया इस अवसर पर सीए सिंघई संजय जैन डॉ राकेश अग्रवाल डॉ सारिका कालरा डॉ अरुणेंद्र सिंह सीए जैकी बाबू बाधवानी डॉ रामचंद्र त्रिपाठी सीए निर्मला सोनी उपस्थित रही कार्यक्रम में सीए सिंघई संजय जैन ने कहा कि समय का सही प्रबंधन ही हमारा मूल्य उद्देश्य होना चाहिए प्रत्येक दिन कुछ नया सीखिए लगन मेहनत करिए सफलता मिलेगी डॉ राकेश अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में कहा कि लगे रहो लक्ष्य मिलेगा

विद्यार्थीयो पहले आप इंसान बनिये अपने आप को पहचानिए कुछ करने का प्रयास करिए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महाविद्यालय के डायरेक्टर शम्मी पूरी प्रिंसिपल डॉ दीपक नेमा मैनेजमेंट हेड मनीषा पंजवानी आशुतोष दुबे शैलेंद्र द्विवेदी डॉ आशीष तिवारी सपना मिश्रा सुखेन्द्र जायसवाल सहित सभी विभागों के प्राध्यापक उपस्थित रहे।

अवैध रेत परिवहन की खबर चलाने से झल्लाये पेट्रोल पंप कर्मचारी ने पत्रकार को दे डाली धमकी

लगातार पत्रकारो की अस्मिता में हो रहा प्रहार,जिम्मेदार प्रशासन मौन

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।

सतना, मझगवाँ और चित्रकूट, का सीमावर्ती इलाका अवैध कार्यो का गढ़ बनता जा रहा है।आये दिन यहां अनेको प्रकार के तस्करी पुलिस का जत्था पकड़ता है एवं कारवाही करता है जिसमे कोरेक्स की खेप,गांजे की तस्करी जैसी चीजें सामान्य रूप से कई बार प्रकाश में आई हैं लेकिन एक तस्करी ऐसी है जो नियमित रूप से साल के 365 दिन चलती है लेकिन इसमें लगाम कस पाने में आज तक प्रशासन के हाथ बंधे नजर आये हैं, जी हा हम बात कर रहे हैं अवैध रेत परिवहन की।मध्यप्रदेश के बरौंधा एवं पहाड़ीखेड़ा मार्ग से उत्तर प्रदेश की अवैध रेत का परिवहन यहाँ सालो से चल रहा है जोकि मध्यप्रदेश सरकार के राजस्व को बाकायदे चूना लगाता है बावजूद इसके खनिज विभाग की दबिश से यह अवैध रेत परिवहन आज तक दूर है।

कभी कभार यह जरूर देखने को मिलता है कि खनिज विभाग रेत से भरे वाहनों में खानापूर्ति के लिए कारवाही करता है लेकिन यह भी नाम मात्र के लिए है। अवैध रेत परिवहन की खबर चलाने से झल्लाये पेट्रोल पंप कर्मचारी ने पत्रकार को दे डाली धमकी! जनता रुपी बुनियाद में लोकतंत्र के जो चार स्तंभ खड़े हैं उसमें से एक स्तम्भ को कमजोर करने का प्रयास जोरो पर है।पत्रकार को चौथा स्तंभ की संज्ञा देना ही पर्याप्त नही है अपितु उसकी मान मर्यादा एवं उसके कार्यो की समीक्षा करना भी लोकतंत्र की कार्यप्रणाली में दर्ज है लेकिन हम आये दिन देखते है कि पत्रकारो की अस्मिता में तरह तरह के प्रहार होते हैं और जिम्मेदार इस प्रहार को हर बार रोक पाने में लाचार नजर आते हैं जिसका जीता जागता उदाहरण पुन: चित्रकूट में देखने को मिला। मझगवाँ थाना अंतर्गत ग्राम पिंडरा से भी उत्तरप्रदेश की सीमा जुडी है जिसका फायदा रेत तस्कर भरपूर उठाते हैं।अवैध रेत का परिवहन कर यह रेत माफिया मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की सीमा में बने पेट्रोल पंप में अपने वाहन खड़े करते हैं जिसकी खबर एक स्थानीय पत्रकार द्वारा चलाई जाती है। खबर चलने से झल्लाये पेट्रोल पम्प के एक कर्मचारी ने पत्रकार को अमर्यादित तरीके से तमाम बातें कही जिसका ऑडियो भी सोसल मीडिया में वायरल हुआ है। पेट्रोलपम्प कर्मचारी पत्रकार को बाकायदे यह बताता है कि वह पत्रकारो को कितने रूपये में खरीदता है इसके अलावा तमाम तरीको से पत्रकार की अस्मिता को तार तार करने का प्रयास करता है जवाब में पत्रकार अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए सिर्फ हा में जवाब देता जाता है। लगातार पत्रकारो की अस्मिता में हो रहा प्रहार,जिम्मेदार प्रशासन मौन!

यह कोई पहला मामला नही है जब पत्रकार के साथ ऐसा हुआ है,अक्सर ही पत्रकारो की गर्दन पकड़ना ऐसे देशविरोधी लोगो को आसान लगता है लेकिन आज तक पत्रकारो के संरक्षण की जवाबदेही तय करने वाला प्रशासन स्तब्ध नजर आया है। अब देखना यह है कि क्या इसबार इस पेट्रोल पंप के कर्मचारी के ऊपर कोई कार्यवाही होती है या यह मामला भी अन्य मामलो की तरह पत्रकारो की अस्मिता में एक और प्रहार की तरह दर्ज होकर दफ्न हो जायेगा।

मौत के मुंह से बचे 325 यात्री

उड़ते विमान में आया इतना खतरनाक टर्बुलेंस कि सभी पैसेंजर्स उड़ कर छत से चिपक गए

नेशनल डेस्क- एयर यूरोप बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर की एक उड़ान सोमवार को खतरनाक टर्बुलेंस की चपेट में आ गई और विमान की ब्राजील में आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी, जिससे 30 लोग घायल हो गए। टर्बुलेंस इतनी तीव्र थी कि यात्री अपनी सीटों से उछल पड़े, जबकि एक व्यक्ति ऊपरी डिब्बे में फंस गया। जिसे बड़ी मशक्कत के बाद निकाला गया। स्पेनिश एयरलाइन ने कहा कि यह घटना तब हुई जब विमान स्पेन के मैड्रिड से उरुग्वे की राजधानी मोंटेवीडियो जा रहा था। द न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, एयरलाइन के अनुसार, टर्बुलेंस के बाद उड़ान ङ्क045 को पूर्वोत्तर ब्राजील के नेटाल हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया। यात्रियों ने टर्बुलेंस के कारण हुए नुकसान और उसके बाद के वीडियो पोस्ट किए, जिसमें एक वीडियो में एक व्यक्ति के पैर ओवरहेड बिन से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। कुछ लोगों को उसे नीचे खींचने के लिए इकट्ठा होते देखा गया, जबकि इस दौरान एक बच्चे के रोने की आवाज़ आ रही थी। 325 यात्रियों को ले जा रही उड़ान में टर्बुलेंस के प्रभाव के कारण छत के पैनल तक फटे हुए थे, एक टूटी हुई सीट और ऊपर लटकते ऑक्सीजन मास्क दिखाई दिए। एक बयान में, एयर यूरोपा ने कहा कि उड़ान बिना किसी समस्या के उतर

गई और लोगों की चोटों का इलाज किया जा रहा है। एयरलाइन ने कहा, विमान में घायल हुए लोगों का पहले से ही इलाज किया जा रहा है। द न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, एक यात्री, नोरिस ने कहा कि वह आराम कर रहा था और यूरोपीय दौरे से घर वापस अपनी उड़ान का आनंद ले रहा था, जब कप्तान ने टर्बुलेंस की चेतावनी की घोषणा की और यात्रियों को अपनी सीट बेल्ट बांधने और बैठे रहने के लिए कहा। नोरिस ने उरुग्वे आउटलेट एल ऑब्जर्वडोर को बताया, इसके काफी समय बाद, एक बहुत ही मामूली सी टर्बुलेंस हुई, इसे बमुश्किल महसूस किया गया और एक क्षण से दूसरे क्षण तक विमान अचानक गिर गया और हम सभी ऊपर चले गए। उन्होंने कहा, जिनके पास सीट बेल्ट नहीं थी वे विमान में ही उड़ गए और कुछ लोग छत से चिपके रह गए। उरुग्वे के विदेश मंत्रालय के अनुसार, घायलों का इलाज नेटाल के मोनसेनहोर वालफ्रेडो गुर्गेल अस्पताल में किया जा रहा था और उनके मोंटेवीडियो लौटने के लिए परिवहन तैयार किया जा रहा था। एक यात्री जुआन ने हवा में हुई घटना की तुलना किसी डरावनी फिल्म से से की और कहा कि यह मृत्यु के निकट का अनुभव था।

मेलबर्न से परिजनों से मिलने आ रही थीं भारतीय लड़की, फ्लाइट में बैठते ही हो गई मौत

इंटरनेशनल डेस्कः मेलबर्न से दिल्ली जा रही क्वांटास की फ्लाइट में 24 वर्षीय भारतीय मूल की महिला की विमान के उड़ान भरने से पहले ही मौत हो गई। शेफ बनने का सपना देखने वाली मनप्रीत कौर चार साल में पहली बार भारत में अपने परिवार से मिलने के लिए उत्साहित थी। रिपोर्ट के अनुसार, फ्लाइट में चढ़ने से पहले कौर की तबियत खराब हो गई। लेकिन वह बिना किसी परेशानी के फ्लाइट में चढ़ गईं। हालांकि, जैसे ही उन्होंने सीटबेल्ट लगाने की कोशिश की। वह अपनी सीट पर अचानक गिर गईं और उनकी मौत हो गई। फ्लाइट को बोर्डिंग गेट पर ही रोका गया और उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, उनके दोस्त गुरदीप ग्रेवाल ने हेराल्ड सन को बताया, जब वह विमान में चढ़ी, तो उसे सीटबेल्ट लगाने में परेशानी हो रही थी। उड़ान शुरू होने से ठीक पहले वह अपनी सीट के सामने गिर गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। माना जा रहा है कि मौत का कारण तपेदिक है, जो एक संक्रामक बीमारी है जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करती है। कौर कुकरी की पढ़ाई करते हुए ऑस्ट्रेलिया पोस्ट में काम कर रही थीं और शेफ बनने की ख्वाहिश रखती थीं।

रिपोर्ट के अनुसार, उनके रूममेट कुलदीप ने उन्हें दयालु और ईमानदार बताया और कहा कि उन्हें विक्टोरिया के आसपास दोस्तों के साथ घूमना अच्छा लगता था। अपनी मृत्यु से पहले कौर मार्च 2020 में ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद पहली बार अपने माता-पिता से मिलने भारत लौट रही थीं।

इस कठिन समय में कौर के परिवार की मदद के लिए एक GoFundMe पेज बनाया गया है। पेज पर लिखा है, हमारी प्यारी दोस्त मनप्रीत हमें बहुत जल्दी छोड़कर चली गईं, हमारे जीवन में एक ऐसा खालीपन छोड़ गईं जिसे कभी नहीं भरा जा सकता। जैसा कि हम उनके निधन पर शोक मना रहे हैं, हम उनकी स्मृति का सम्मान करने और ज़रूरत के समय में उनके परिवार का समर्थन करने के लिए एक साथ आना चाहते हैं। हर योगदान, चाहे वह बड़ा हो या छोटा, हमें हमारे लक्ष्य के करीब लाता है।

फ्रांस के चुनावों में इस्लामी आतंक, पहले दौर में राष्ट्रपति मैक्रोन की हार बाद मुसलमानों के दंगे शुरू

इंटरनेशनल डेस्क: फ्रांस में चुनाव के पहले दौर में राष्ट्रपति मैक्रोन की हार व दक्षिणपंथी राजनीतिज्ञ मरीन ले पेन के जीत हासिल करने के तुरंत बाद मुसलमानों ने दंगे शुरू कर दिए, अल्लाहु अकबर का नारा लगाते हुए सार्वजनिक संपत्तियों को जलाना शुरू कर दिया।उनमें से ज़्यादातर अवैध अप्रवासी हैं जिन्हें फ्रांसीसी वामपंथी पार्टी ने स्वीकार किया है। कट्टर दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन के शिष्य जॉर्डन बार्डेला ने पिछले सप्ताह चुनाव-पूर्व बहस के दौरान घोषणा की कि फ्रांस मैक्रोनवाद के सात वर्षों से थक चुका है।कल रात संसदीय चुनावों के पहले दौर के नतीजों से पता चलता है कि वह सही थे।

आंतरिक मंत्रालय के अनुसार, ले पेन और बार्डेला की नेशनल रैली (ऋह) पार्टी ने लगभग 33ब वोट जीते, जबकि वामपंथी न्यू पॉपुलर फ्रंट गठबंधन को 28ब वोट मिले - जबकि मौजूदा राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का मध्यमार्गी गठबंधन केवल 20ब वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहा। ले पेन ने कल देर रात खुशी-खुशी घोषणा की कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति की पार्टी लगभग समाप्त हो चुकी है, क्योंकि वह जीत का जश्न मना रही थीं, और अब आरएन 7 जुलाई को होने वाले दूसरे और अंतिम दौर के चुनावों की तैयारी में जुट गई है। लेकिन सवाल यह है कि फ्रांस में एक ऐसी पार्टी जो द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी कब्जे के बाद से किसी दक्षिणपंथी सरकार के अधीन नहीं रही है, राजनीतिक स्पेक्ट्रम के उस तरफ क्यों झुक गई है? राष्ट्रपति मैक्रोन ने अपने चौंकाने वाले चुनाव में लोकलुभावन दक्षिणपंथी को हराने के अपने प्रयास में जुआ खेला और असफल रहे, जिससे उनकी पार्टी को चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा

दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में भीड़ में घुसी तेज रफ्तार कार, 9 लोगों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क: दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में एक तेज रफ्तार कार सड़क पार करने के लिए खड़े लोगों के बीच घुस गई, जिसमें कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई और 4 घायल हो गए। दुर्घटना स्थानीय समयानुसार सोमवार रात लगभग 21ः30 बजे की है।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 60 वर्षीय एक व्यक्ति ने ट्रैफिक स्टॉप पर इंतजार कर रहे पैदल यात्रियों पर वाहन चढ़ा दिया। जिससे 9 लोगों की मौत हो गई। वहीं पुलिस का कहना है कि वे घटना की जांच कर रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। आपातकालीन अधिकारी किम चुन-सू ने एक ब्रीफिंग में बताया कि चार घायलों में से एक की हालत गंभीर है।

दुबई में इस साल विदेशों से 6700 करोड़पतियों के आने का अनुमान

नेशनल डेस्क- संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.) का व्यापारिक केंद्र दुबई दुनिया भर के अमीरों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसकी पहचान खुद को धनी लोगों को शरणस्थली के तौर पर बचने की बन चुकी है। एक वैल्थ कंसल्टेंसी हेनले एंड पार्टनर्स के अनुसार यहां पर इस साल 6700 करोड़पतियों के आने का अनुमान है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अब दुबई में आने वाले अमीर लोगों की संख्या अमरीका से लगभग दोगुना है। अमरीका में ऐसे 55 लाख लोग 10 लाख डॉलर या उससे अधिक की संपत्ति रखते हैं।

आय, संपत्ति या पूंजीगत लाभ पर कोई टैक्स नहीं

दुबई व्यापार करने के लिए एक आसान जगह है और दुनिया में लगभग हर जगह के लिए यहां से सुविधाजनक उड़ानें है। इसकी सड़कें न्यूयॉर्क या लंदन की तुलना में ज्यादा साफ-सुथरी और अधिक सुरक्षित हैं। दूसरा यह विदेशी अमीरों को इसलिए भी अपनी ओर आकर्षित करता है क्योंकि यहां पर आय, संपत्ति या पूंजीगत लाभ पर कोई टैक्स नहीं लगता है। रिपोर्ट में कहा गया है लंबे समय से पड़ोसी देशों के अमीर रूसियों, भारतीयों और अरबों के लिए एक शरणस्थल रहा दुबई अब मुगल प्रवासियों के एक नए समूह को आकर्षित कर रहा है। इसमें यूरोपीय लोग शामिल हैं जो अपने देशों में बढ़ती राजनीतिक अनिश्चितता से परेशान हो रहे हैं।

फ्रांस में कट्टर-दक्षिणपंथी सरकार के सत्ता में आने के अंदेशे से यहां के अमीर दुबई में बसने के लिए ब्रोकर और एजेंटों को कॉल कर रहे हैं। देश की दंडात्मक नीतियों के कारण अमीर इटालियंस भी दुबई की ओर रुख करने के ज्यादा इच्छुक दिखाई दे रहे हैं। 2024 के पहले तीन महीनों में दुबई में भारतीयों के साथ-साथ फ्रांसीसी और इटालियंस घर खरीदने में सबसे ज्यादा उत्साहित थे।

कहा जा रहा है कि फरवरी माह में यूरोपीय लोगों ने दुबई ने अपनी ओर एकाएक खींच लिया जब यहां एक अंतर-सरकारी निकाय, वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफ.ए.टी.एफ.) ने मनी-लॉन्ड्रिंग और अन्य वित्तीय शरारती लोगों द्वारा पसंद किए जाने वाले संदिग्ध स्थानों की अपनी ग्रे सूची से हटा दिया। अमीराती बैंक अब अपने ग्राहकों की अधिक सावधानी से जांच करते हैं और बड़े प्रॉपर्टी डेवलपर्स अब नकदी से भरे ब्रीफकेस स्वीकार नहीं करते हैं।

गाजा पट्टी पर चल रहा संघर्ष भी बड़ी वजह

दुबई को यूरोपियन अमीरों द्वारा तरजीह दिए जाने का एक और कारण यह भी है कि गाजा पट्टी पर चल रहे संघर्ष के बीच अब इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच लड़ाई तेज हो गई है। हिजबुल्लाह ईरान समर्थित समूह है और लेबनान के अधिकांश हिस्से को नियंत्रित करता है। इसलिए यूरोपियन अमीर यह भी तर्क देते हुए दिखाई देते हैं कि यह एक क्षेत्रीय संघर्ष में बदल सकता है।

श्रीलंकाई राजनीतिज्ञ और तमिल नेता संपन्थन का निधन

मोदी और जयशंकर ने जताया शोक

कोलंबो- श्रीलंका में तमिल नागरिकों के लिए शांति, न्याय और सम्मान का जीवन सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करने वाले उदारवादी तमिल नेता आर संपन्थन का रविवार रात निधन हो गया। तमिल नेशनल अलायंस ने घोषणा की कि 91 वर्षीय संपन्थन का अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। संपन्थन (91) ने 2004 का नेतृत्व किया और सिंहली बहुल देश में मुख्य विपक्षी नेता बनने वाले दूसरे तमिल बने। वह लंबे समय से बीमार होने के कारण संसद के मौजूदा सत्र में शामिल नहीं हो रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंकाई तमिल नेता के साथ अपनी मुलाकात की एक तस्वीर साझा करते हुए सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, टीएनए के अनुभवी नेता आर संपन्थन के परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी गहरी संवेदना। मोदी ने लिखा, उनके साथ हुई मुलाकातों की यादें हमेशा संजोकर रखूंगा। उन्होंने श्रीलंका के तमिल नागरिकों के लिए शांति, सुरक्षा, समानता, न्याय और सम्मान का जीवन सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किए। श्रीलंका और भारत में उनके दोस्त और समर्थक उन्हें बहुत याद करेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी संपन्थन की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया

है। जयशंकर ने एक्स पर कहा कि उन्होंने (संपन्थन) अपना पूरा जीवन श्रीलंका में तमिलों के लिए समानता, सम्मान और न्याय की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा, श्रीलंकाई तमिल नेता आर संपन्थन के निधन के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ। संपन्थन 2015 में विपक्ष के नेता बने और 2019 तक एक नए संविधान का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल रहे। वह एक प्रतिभाशाली वकील थे। संपन्थन पहली बार 1977 में पूर्वी बंदरगाह जिले त्रिंकोमाली से निर्वाचित होकर संसद पहुंचे थे।

रिपोर्ट में खौफनाक खुलासा- जिंदा उइगर मुस्लिमों के अंग निकाल कर बेच रहा चीन

इंटरनेशनल डेस्क: एक रिपोर्ट में चीन की काली करतूतों का खौफनाक खुलासा किया गया है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि चीन अंग प्रत्यारोपण की उच्च मांग को पूरा करने के लिए अपने मुस्लिम उइगर नागरिकों के अंग निकाल कर बेच रहा है। जानकारी के अनुसार चीन पर लंबे समय से अपने अल्पसंख्यकों से अंग निकालने का आरोप लगाया जाता रहा है क्योंकि यह अवैध रूप से दुनिया के सबसे बड़े अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रमों में से एक चलाता है। इन अंगों का आधिकारिक स्रोत मृत्युदंड की सजा पाए कैदी रहे हैं, लेकिन पृष्ठभूमि में अवैध रूप से एक बड़ा हिस्सा उन लोगों से आता है जो अपनी राजनीतिक या धार्मिक मान्यताओं के आधार पर जेल में बंद हैं। इनमें मुख्य रूप से झिंजियांग के उइगर मुसलमान और चीन के स्थानीय धार्मिक संप्रदाय फालुन गोंग का अभ्यास करने वाले लोग शामिल हैं।

बहाने से लिया जाता उइगरों से डाटा

कई मानवाधिकार निगरानी समूहों ने अतीत में चीन पर उइगरों और फालुन गोंग अभ्यासियों के खिलाफ भयानक अपराधों का आरोप लगाया है और जबरन अंग निकालना उनमें से एक है। मार्च 2024 में, एक अमेरिकी कांग्रेस समिति की बैठक के दौरान, एक रिपोर्ट पेश की गई जिसमें दावा किया गया कि चीन खाड़ी देशों के मूल निवासी मुस्लिम चिकित्सा पर्यटकों से आने वाले अंग प्रत्यारोपण की उच्च मांग को पूरा करने के लिए अपने मुस्लिम उइगर नागरिकों से आनुवंशिक जानकारी एकत्र कर रहा है। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना द्वारा किए गए अत्याचारों के मद्देनजर, संयुक्त राज्य अमेरिका ने 27 मार्च, 2023 को अमेरिकी सीनेट में पारित एच.आर. 1154 बिल के तहत स्टॉप फोर्स्ड ऑर्गन हार्वेस्टिंग एक्ट पेश किया था।

विदेशी मांग को पूरा करने के लिए फास्ट-ट्रैक मानव अंग लेन बनाए

2019 में, मानवीय साक्ष्यों के आधार पर स्थिति की जांच करने के लिए एक पीपुल्स चाइना ट्रिब्यूनल की स्थापना की गई और यह पता चला कि उच्च विदेशी मांग को पूरा करने के लिए झिंजियांग के काशगर हवाई अड्डे पर विशेष फास्ट-ट्रैक मानव अंग लेन बनाए गए थे, और उइगर लक्षित थे। बाद में, उइगरों से जबरन अंग निकालने के बारे में चाइना ट्रिब्यूनल की रिपोर्ट को विभिन्न प्रेस और मीडिया चैनलों में बताया गया। तियानजिन में

कोरियाई अंग पर्यटन की जांच करते समय, यह पता चला कि सऊदी देशों ने अपने अंग प्राप्तकर्ताओं के लिए अंगों के मिलान के लिए धन मुहैया कराया था और चीन ने इसे पूंजी प्रवाह का एक बड़ा स्रोत बना दिया था।

अमेरिकी सीनेट द्वारा कार्रवाई का इंतजार

इस अधिनियम का उद्देश्य राजनीतिक कैदियों, फालुन गोंग चिकित्सकों और मुस्लिम उइगर नागरिकों को जबरन अंग कटाई के व्यापार से समर्थन और सुरक्षा प्रदान करना है। एच.आर. 1154 बिल सदन में 413 से 2 मतों से संतोषजनक रूप से पारित हो गया और चीन में जबरन अंग कटाई के खिलाफ अमेरिकी सीनेट द्वारा कार्रवाई का इंतजार कर रहा है। यह अभ्यास में शामिल व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ प्रतिबंधों को अधिकृत करता है, जिसमें अंग प्रत्यारोपण सर्जरी उपकरणों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाना और अंग प्रत्यारोपण सर्जनों के प्रशिक्षण को रोकना शामिल है। चीन में 1990 के दशक से चिकित्सा पर्यटन के नाम पर फल-फूल रहा अंग व्यापारवप्रचलित है। यह जानकर आश्चर्य होता है कि चीन में अंग प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षा समय दुनिया के अन्य हिस्सों की तुलना में अपेक्षाकृत कम है। चीन में अंग प्रत्यारोपण के लिए मरीज को अधिकतम दो महीने तक इंतजार करना पड़ता है, जबकि अमेरिका और कनाडा जैसे अन्य प्रमुख स्थापित देशों में प्रतीक्षा अवधि 2 से 4 साल तक हो सकती है।

परेशान करने वाला तथ्य यह भी

एक और परेशान करने वाला तथ्य यह है कि चीन में अंगों के स्रोत की बात करें तो इसमें बहुत बड़ी विसंगति है। 2005 में अमेरिकी कांग्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, चीन में 95ब तक अंग प्रत्यारोपण कैदियों से किए गए थे, लेकिन किए गए प्रत्यारोपणों की संख्या कभी भी इस आंकड़े को सही नहीं ठहराती। 2006 में, एमनेस्टी इंटरनेशनल ने चीन में 1,770 लोगों को फांसी दिए जाने की रिपोर्ट की और उच्चतम आंकड़ा 8,000 के करीब था, जिसमें से कुछ मामलों को कैदियों में प्रचलित बीमारियों के कारण खारिज कर दिया गया था। फिर भी सवाल उठता है कि चीन उन दिनों अंगों की उच्च मांग को कैसे पूरा कर पाया । 2016 में, झिंजियांग में हर उइगर को मेडिकल चेकअप के बहाने चीनी अधिकारियों के निर्देशानुसार आईरिस स्कैन, ब्लड टाइपिंग, फिंगरप्रिंटिंग और डीएनए जमा करने के लिए कहा गया था। लेकिन जैसे ही यह खबर फैली, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने पाया कि यह अंगों की विदेशी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डेटा जुटाने की एक कार्रवाई है। उइगर नरसंहार के हिस्से के रूप में, चीन उइगरों के अंगों को काट रहा है और उन्हें हलाल अंगों के रूप में बेच रहा है। 2014 से, लगभग दस लाख उइगर बच्चों को जबरन उनके परिवारों से अलग कर दिया गया है। क्या यह चीन के चल रहे उइगर नरसंहार और कुख्यात अंग कटाई प्रथाओं में एक और कदम है? ब्रेक्सिट के बाद नए खरीद कानून पर यूके के सांसदों द्वारा राजनीतिक परिवर्तन के बाद अंग कटाई के लिए उइगर की कमजोरी भी सामने आई है। इसके अलावा, विश्व चिकित्सा संघ ने भी झिंजियांग क्षेत्र में उइगर मुसलमानों के साथ व्यवहार के लिए नैरोबी में चीन को निशाने पर लिया है। उइगर नरसंहार के हिस्से के रूप में, चीन उइगरों के अंगों को काट रहा है और उन्हें हलाल अंगों के रूप में बेच रहा है। 2014 से, लगभग दस लाख उइगर बच्चों को जबरन उनके परिवारों से अलग कर दिया गया है। क्या यह चीन के चल रहे उइगर नरसंहार और कुख्यात अंग कटाई प्रथाओं में एक और कदम है? ब्रेक्सिट के बाद नए खरीद कानून पर यूके के सांसदों द्वारा राजनीतिक परिवर्तन के बाद अंग कटाई के लिए उइगर की कमजोरी भी सामने आई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569